दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-98 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 28 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'समय बदलने की प्रतीक्षा मत कीजिए, अपने प्रयासों की गति बढ़ाइए– क्योंकि बदलता वही है, जो निरंतर आगे बढ़ता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जाति प्रमाण पत्र की उलझनें–कानूनी प्रावधान, प्रशासनिक विसंगतियां और विवाहित महिलाओं की पीड़ा

भारत में जाति प्रमाण पत्र सामाजिक न्याय की नीतियों का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए यह प्रमाण पत्र आधारभूत दस्तावेज के रूप में कार्य करता है। चूँकि भारतीय समाज में जाति जन्म के आधार पर निर्धारित मानी जाती है, इसलिए प्रमाण पत्र भी मूलत: जन्म और पारिवारिक वंशावली के आधार पर जारी किया जाता है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब जाति जन्म से निर्धारित है और जीवन भर अपरिवर्तित रहती है, तो बार-बार नया या हालिया तिथि का प्रमाण पत्र माँगने का औचित्य क्या है? यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है।

कानूनी दृष्टि से जाति बदलती नहीं है, परंतु प्रशासनिक प्रक्रिया में 'नवीन' या 'हालिया' प्रमाण पत्र की माँग इसलिए की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दस्तावेज अद्यतन अभिलेखों पर आधारित है, किसी प्रकार का फर्जीवाड़ा न हो, और आवेदक का वर्तमान निवास व पहचान सत्यापित हो। अनेक योजनाओं, नौकरियों या चुनावी प्रक्रियाओं में यह शर्त रखी जाती है कि प्रमाण पत्र छह माह या एक वर्ष से अधिक पुराना न हो। इसका उद्देश्य जाति बदलने की संभावना नहीं, बल्कि दस्तावेज की प्रामाणिकता और सत्यापन की ताजगी सुनिश्चित करना है। परंतु व्यवहार में यही प्रक्रिया अनेक विसंगतियों और मानवीय कठिनाइयों को जन्म देती है। विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के संदर्भ में यह समस्या और जटिल हो जाती है। भारतीय परंपरा में विवाह के बाद महिला का निवास स्थान बदल जाता है। यदि वह किसी अन्य राज्य में विवाह कर लेती है, तो उसके मूल राज्य के अभिलेखों में उसका नाम प्राय: पिता के परिवार की सूची से हट जाता है या निष्क्रिय हो जाता है। कई राज्यों में फैमिली आईडी या जन आधार जैसी प्रणालियों में विवाह के बाद नाम पति के परिवार में स्थानांतरित कर दिया जाता है। ऐसी स्थिति में यदि महिला को नए राज्य में जाति प्रमाण पत्र बनवाना हो, तो उससे मूल निवास राज्य के दस्तावेज माँगे जाते हैं–जिनमें उसका नाम स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं होता।

यहाँ सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जाति जन्म से निर्धारित है और विवाह से नहीं बदलती, किंतु प्रशासनिक प्रक्रियाएँ इसे सिद्ध करने के लिए ऐसे दस्तावेजों की माँग करती हैं, जो कई बार व्यवहारत: उपलब्ध नहीं होते। पति के राज्य में अधिकारी यह कह सकते हैं कि प्रमाण पत्र मूल राज्य से बनवाएँ; वहीं मूल राज्य में अधिकारी यह तर्क दे सकते हैं कि अब वह स्थायी रूप से अन्यत्र निवास कर रही है। परिणामस्वरूप, महिला एक प्रशासनिक शून्य में फँस जाती है–न इधर की, न उधर की।

राजस्थान सहित कई राज्यों में पंचायत राज संस्थानों के चुनाव संभावित हैं। स्थानीय निकायों में आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए जाति प्रमाण पत्र अनिवार्य दस्तावेज है। पड़ोसी राज्यों से विवाह कर आई महिलाओं के लिए यह प्रक्रिया और कठिन हो जाती है। यदि उनके पास पुराना प्रमाण पत्र है, तो भी 'हालिया' प्रमाण पत्र की शर्त उन्हें फिर से प्रमाणन की प्रक्रिया में धकेल देती है। कई बार स्पष्ट दिशानिर्देशों के अभाव में स्थानीय कर्मचारी अपने स्तर पर नियमों की व्याख्या करते हैं, जिससे भ्रम और बढ़ता है। कुछ मामलों में टालमटोल, अनावश्यक दस्तावेजों की माँग और देरी आम बात हो जाती है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि लैंगिक न्याय का प्रश्न भी है। पुरुषों को प्राय: इस प्रकार की जटिलताओं का सामना नहीं करना पड़ता, क्योंकि उनका निवास और पारिवारिक पहचान विवाह के बाद नहीं बदलती। महिलाओं के संदर्भ में राज्य-सीमा पार विवाह के बाद उत्पन्न दस्तावेजी संकट उनके संवैधानिक अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी में बाधा बन सकता है। समाधान क्या हो सकता है? प्रथम, राज्यों के बीच एक समन्वित डिजिटल डेटाबेस की आवश्यकता है, जहाँ एक बार जारी किया गया जाति प्रमाण पत्र राष्ट्रीय स्तर पर सत्यापन योग्य हो। यदि आधार या किसी अन्य विशिष्ट पहचान संख्या से लिंक कर प्रमाण पत्र की प्रामाणिकता सुनिश्चित की जाए, तो बार-बार नए प्रमाण पत्र की आवश्यकता कम हो सकती है। द्वितीय, विवाहित महिलाओं के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएँ कि वे अपने जन्म-आधारित जाति अधिकारों को किसी भी राज्य में किस प्रक्रिया से प्रमाणित कर सकती हैं। तृतीय, चुनाव आयोग और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनावी प्रक्रिया में दस्तावेजों की शर्तें न्यायसंगत और व्यवहारिक हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रशासनिक सुविधा के नाम पर नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, को अनावश्यक कठिनाइयों में न डाला जाए। यदि जाति जन्म से निर्धारित और स्थायी है, तो प्रमाणन की प्रक्रिया भी तर्कसंगत और सरल होनी चाहिए। 'छह माह पुराना' या 'नवीन' प्रमाण पत्र जैसी शर्तों का उद्देश्य पारदर्शिता हो सकता है, परंतु उन्हें मानवीय संवेदनशीलता और व्यावहारिकता के साथ लागू किया जाना चाहिए।

अंतत:, जाति प्रमाण पत्र सामाजिक न्याय का उपकरण है, न कि प्रशासनिक उलझन का माध्यम। यदि स्पष्ट दिशानिर्देश, पारदर्शी डिजिटल प्रणाली और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित किया जाए, तो विवाहित महिलाओं सहित सभी नागरिकों के लिए यह प्रक्रिया सरल और सम्मानजनक बन सकती है। लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब उसके दस्तावेज भी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करें, न कि उन्हें असमंजस और अव्यवस्था में धकेलें।

दिल्ली आबकारी नीति मामले में बड़ा फैसला

केजरीवाल व सिसोदिया बरी, कोर्ट ने कहा CBI की साजिश थ्योरी साबित नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज.नई दिल्ली।

राजधानी की बहुचर्चित शराब नीति मामले में शुक्रवार को बड़ा फैसला आया। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को CBI द्वारा दर्ज केस में बरी कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि दोनों नेताओं के खिलाफ आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद नहीं हैं और जांच एजेंसी की पूरी थ्योरी अनुमान पर आधारित थी। विशेष CBI जज जितेंद्र सिंह ने मामले में दाखिल चार्जशीट पर सुनवाई के बाद सभी 23 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि उपलब्ध दस्तावेज और गवाह साजिश के आरोप को प्रथम दृष्टया भी सिद्ध नहीं करते, इसलिए आरोप तय करना

न्यायसंगत नहीं होगा। फैसले के कुछ ही घंटों बाद CBI ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। जांच एजेंसी ने कोर्ट के आदेश को रद्द करने की मांग की है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई हाईकोर्ट में होगी। फैसले के बाद कोर्ट परिसर के बाहर अरविंद केजरीवाल मीडिया से बातचीत करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से उन पर और उनकी पार्टी पर झूठे आरोप लगाए जा रहे थे, लेकिन आज अदालत ने सारे आरोप खारिज कर दिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में सिर्फ ईमानदारी कमाई है और आज न्यायालय ने यह साबित कर दिया कि वे और उनकी पार्टी ईमानदार हैं। केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता के लिए इस तरह संविधान से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याएं हैं और सरकार को उन पर ध्यान देना चाहिए।

मनीष सिसोदिया ने भी फैसले को सच और संविधान की जीत बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था पर गर्व है और डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान ने उन्हें न्याय दिलाया है। यह मामला दिल्ली सरकार की 2021-22 की आबकारी नीति से जुड़ा था, जिसे बाद में विवादों के बीच वापस ले लिया गया था। जांच एजेंसियों ने नीति निर्माण और लाइसेंस प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। अब सभी की निगाहें दिल्ली हाईकोर्ट पर टिकी हैं, जहां CBI की अपील पर सुनवाई होगी। फिलहाल निचली अदालत के इस फैसले से केजरीवाल और सिसोदिया को बड़ी कानूनी राहत मिली है और राष्ट्रीय राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का एससी डिपार्टमेंट कार्यालय पहुंचने पर जोरदार स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया । हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह शुक्रवार को एससी डिपार्टमेंट जिला रेवाड़ी के अध्यक्ष रमेश ठेकेदार के कार्यालय पहुंचे। उनके आगमन पर रमेश ठेकेदार व उनकी टीम ने पगड़ी और फूल-मालाओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने एससी डिपार्टमेंट के जिला पदाधिकारियों से मुलाकात की तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। प्रदेश अध्यक्ष ने एससी डिपार्टमेंट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रमेश ठेकेदार की अगुवाई में एससी डिपार्टमेंट जिले में बेहतरीन कार्य कर रहा है और पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि एससी डिपार्टमेंट हर जगह अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, जो कांग्रेस संगठन के लिए सकारात्मक संकेत है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मौजूदा सरकार की

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लगातार आवाज उठा रही है और आगे भी जनता के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ी जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाएं। वहीं एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से एससी डिपार्टमेंट को नई ऊर्जा और दिशा मिली है। भविष्य में भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में डिपार्मेंट पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा। इस मौके पर
दलीप चेयरमैन, सुमेर चेयरमैन, महेंद्र रातॉं पूर्व प्रधान, रविंद्र यादव यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र यादव, ईश्वर सेका, एससी डिपार्टमेंट के जिला उपाध्यक्ष डॉ. मामराज, रामनिवास ठेकेदार, दीनदयाल, टीकाराम ठेकेदार, इंद्रजीत देवलावास, इंद्रजीत पदैयावास, सुदेश, सचिन आदि मौजूद रहे।

राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन की बैठक में पंचायत और नगर निकाय चुनाव की तैयारी पर चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय जयपुर में पंचायत और नगर निकाय चुनाव प्रबंधन पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी. बी. यादव ने की, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व पंचायतराज मंत्री सी. पी. जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में आने वाले समय में पंचायतराज और नगर निकाय चुनाव की सफल और व्यवस्थित तैयारी पर चर्चा की गई। इस अवसर पर कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों से फॉर्म भरवाए गए। बैठक में सैंकड़ों चुनिंदा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया, जिनमें कोटपूतली-बहरोड़ से जिलाध्यक्ष डॉ. महेश यादव, जिला उपाध्यक्ष मौजीराम यादव और अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। इस बैठक का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करना और आगामी चुनावों में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करना है। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी. बी. यादव ने कहा कि संगठन का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और लोगों के अधिकारों की रक्षा करना है।

केसीसी टाउनशिप की समस्या: आजाद मार्केट-मानोता मार्ग पर टूटा चौराहा, हादसों का खतरा बरकरार

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । केसीसी टाउनशिप क्षेत्र में आजाद मार्केट से मानोता जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित चौराहे की बदहाल स्थिति आमजन के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। यह चौराहा क्षेत्र का प्रमुख जंक्शन है, जहां से एक रास्ता सिटी हॉस्टल, दूसरा केसीसी टाउनशिप, तीसरा आजाद मार्केट और चौथा मानोता गांव की ओर जाता है। पास में ही चौपाटी बाजार भी बना हुआ है। रोजाना सैकड़ों वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन चौराहे के बीचों-बीच टूटी हुई संरचना और उखड़ी सड़क दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है। चौराहे के बीच बना कंक्रीट का आधार और लोहे की जंग लगी संरचना काफी समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी है। उसके आसपास की इंटरलॉकिंग सड़क भी उखड़ चुकी है और मलबा फैला हुआ है। वाहन चालकों को अचानक सामने अवरोध दिखने से ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे टक्कर और फिसलन की आशंका बनी रहती है।

रात में बढ़ जाता है खतरा

मानोता निवासी कुलदीप सैनी, प्रमोद ने बताया कि रात के समय इस चौराहे पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं है। अंधेरे में बीच सड़क पर बना यह टूटा ढांचा साफ दिखाई नहीं देता, जिससे कई बार दोपहिया वाहन चालक संतुलन खो बैठते हैं। कई छोटे-मोटे हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

खेतड़ीनगर - कॉपर में चौपाटी के पास टूटा हुआ

संकेतक और सुरक्षा व्यवस्था का अभाव

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस खतरनाक स्थान पर न तो कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही रिफ्लेक्टर या बैरिकेड की व्यवस्था की गई है। इससे बाहर से आने वाले वाहन चालकों को चौराहे की स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते यहां सुधार कार्य नहीं किया गया तो बड़ा हादसा हो सकता है।

कई महीनों से बनी हुई है समस्या

यह स्थिति कई महीनों से बनी हुई है। केसीसी प्रशासन को मौखिक रूप से अवगत कराने के बावजूद अब तक मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि चौराहे का शीघ्र पुनर्निर्माण कर समतल सड़क बनाई जाए, साथ ही स्ट्रीट लाइट, रिफ्लेक्टर और चेतावनी संकेतक लगाए जाएं।

इनका कहना है-

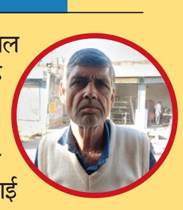

रोजाना आजाद मार्केट, केसीसी टाउनशिप और मानोता मार्ग पर माल सप्लाई करने जाता हु। चौराहे की टूटी हुई स्थिति के कारण इस जगह पर वाहन चलाना काफी जोखिम भरा हो गया है। चौराहे के बीच में टूटा हुआ कंक्रीट और उखड़ी सड़क की वजह से गाड़ी को मोड़ते समय खास सावधानी रखनी पड़ती है। अगर थोड़ा भी ध्यान भटका तो वाहन असंतुलित हो सकता है। रात में अंधेरा रहने से यह अवरोध दिखाई नहीं देता, जिससे हादसे की आशंका और बढ़ जाती है।

संतोष सैनी, टेम्पु वाहन चालक

कई बार सामान से भरे वाहन को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे माल के क्षतिग्रस्त होने का भी खतरा रहता है। रात के समय तो ये दिखाई भी नहीं देता है।

बाबूलाल, निवासी गोठड़ा

यह चौराहा चार दिशाओं को जोड़ता है और यहां रोजाना भारी व हल्के वाहनों की आवाजाही रहती है, ऐसे में जल्द मरम्मत और उचित संकेतक लगाना बेहद जरूरी है।

ईश्वर सिंह, पूर्व थानाधिकारी

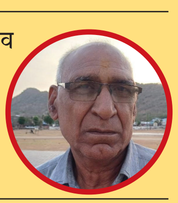

चौराहे को समतल कर स्थायी समाधान किया जाए और पर्याप्त रोशनी व चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, ताकि वाहन चालकों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

शमशेर चौधरी, ट्रांसपोर्टर व्यवसाई आजाद मार्केट

क्षेत्र में रहने वाले परिवार, स्कूली छात्र-छात्राएं, बुजुर्ग और कर्मचारी रोजाना इस रास्ते से गुजरते हैं। ऐसे में सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। चौराहे का पुनर्निर्माण, समुचित प्रकाश व्यवस्था और स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं। जब तक स्थायी सुधार नहीं होगा, तब तक खतरा बना रहेगा। यह रास्ता कई गांवों को नेशनल हाईवे से जोड़ने वाला भी है।

शेर सिंह कृष्णिया, सेवानिवृत अध्यापक

ऑस्टियोपोरोसिस
में असरदार साबित हो सकता है योग

नई दिल्ली (आईएएनएस)। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, शरीर की ताकत कम होने लगती है। खासतौर पर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और उनके टूटने की संभावना बढ जाती है। डॉक्टर इसे ऑस्टियोपोरोसिस कहते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें बोन डेंसिटी धीरे-धीरे घटने लगती है। इसके चलते हड्डियां मामूली चोट या झटके से भी टूट सकती हैं। योग की मदद से इस स्थिति से न सिर्फ राहत पाई जा सकती है, बल्कि इसे समय रहते रोका भी जा सकता है। आयुष मंत्रालय भी लोगों को योग अभ्यास की सलाह देता है ताकि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को दूर रखा जा सके। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग न सिर्फ हड्डियों को मजबूत करता है, बल्कि मांसपेशियों को लचीला और संतुलित बनाता है। इससे शरीर का संतुलन सुधरता है, गिरने की संभावना कम होती है, और साथ ही हड्डियों को मिलने वाला पोषण भी बेहतर ढंग से अवशोषित होता है। कुछ ऐसे योगासन हैं, जो ऑस्टियोपोरोसिस के दौरान बेहद लाभकारी माने जाते हैं।

पादहस्तासनः पादहस्तासन रीढ की हड्डी, कूल्हों और जांघों की मांसपेशियों को मजबूती देता है। जब आप अपने पैरों की ओर झुकते हैं, तो शरीर की पिछली मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे उनमें लचीलापन आता है। ऑस्टियोपोरोसिस के दौरान यह आसन गिरने की संभावना को कम करने में मदद करता है क्योंकि यह शरीर का संतुलन सुधारता है और रीढ के लचीलेपन को बढाता है।

वीरभद्रासनः वीरभद्रासन खासतौर पर कूल्हों और घुटनों की हड्डियों को मजबूत करता है। यह आसन शरीर को स्थिरता देता है और रीढ की स्थिति को बेहतर करता है, जिससे शरीर के पॉश्चर में सुधार आता है। अर्ध पिंच मयूरासनः यह आसन कंधों, पीठ और पैरों की हड्डियों पर असर करता है। इस आसन को करते समय जब कूल्हों को ऊपर उठाया जाता है, तो शरीर की मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बढता है और पोषक तत्व तेजी से हड्डियों तक पहुंचते हैं। यह आसन शरीर को ऊर्जावान बनाता है और कमर के निचले हिस्से की मजबूती बढाता है।

डायबिटीज-कैंसर में मददगार चिया बीज

नई दिल्ली (आईएएनएस)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में काफी लोग किसी न किसी शरीर संबंधी दिक्कतों से परेशान हैं, चाहे वो दिल से जुड़ी समस्या हो, डायबिटीज हो या फिर पाचन की दिक्कतें। खानपान की बिगड़ी आदतें, फास्ट फूड का बढता चलन और जीवनशैली की लापरवाही ने हमें धीरे-धीरे शारीरिक दिक्कतों की ओर धकेल दिया है। ऐसे में एक छोटा सा सीड्स, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, हमारे लिए बड़ा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसका नाम चिया सीड्स है। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, चिया सीड्स का वानस्पतिक नाम साल्विया हिस्पानिका है। ये सीड्स दिखने में छोटे होते हैं, लेकिन पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। दिल की सेहत के लिए चिया सीड्स का सेवन खासतौर से फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड्स खून में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है और दिल की धड़कन सामान्य बनी रहती है। यह उन लोगों के लिए ज्यादा जरूरी है, जो हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग की दवाएं ले रहे हैं। इसके अलावा, यह ब्लड क्लॉटिंग को भी रोकता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे खतरे कम हो सकते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए भी चिया सीड्स किसी वरदान से कम नहीं हैं। इसमें मौजूद फाइबर शरीर में शुगर के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा करता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल स्थिर बना रहता है। यह इंसुलिन रेजिस्टेंस को भी कम करता है, जिससे टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को घटाया जा सकता है। पाचन तंत्र की समस्याएं, जैसे कब्ज, गैस और अपच, भी आजकल आम होती जा रही हैं। चिया सीड्स इसमें भी बेहद मददगार हैं। जब इन सीड्स को पानी में भिगोया जाता है, तो ये जेल जैसा रूप ले लेते हैं। यह जेल आंतों की सफाई करता है। इससे कब्ज की परेशानी दूर होती है और पाचन क्रिया बेहतर बनती है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की बात करें तो चिया सीड्स में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं। ये फ्री रेडिकल्स ही कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं। खासतौर पर इनमें पाए जाने वाले क्वेरसेटिन, क्लोरोजेनिक एसिड और केम्पफेरोल जैसे तत्व शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और सूजन को कम करते हैं। कुछ स्टडीज में यह भी देखा गया है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड्स ट्यूमर की ग्रोथ को धीमा कर सकते हैं और कैंसर से पीड़ित मरीजों में वजन घटने की समस्या को भी कम कर सकते हैं। चिया सीड्स को दही, दूध, जूस या पानी में भिगोकर खाया जा सकता है। इसे सलाद या ओट्स में भी मिलाया जा सकता है।

> इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड्स खून में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है और दिल की धड़कन सामान्य बनी रहती है।

'चुगलखोर बहुरिया' में रानी चटर्जी का नया अवतार

मुंबई (आईएएनएस)। भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटजी एक बार फिर अपने नए अंदाज और जबरदस्त एक्सप्रेशन के साथ दर्शकों के दिलों पर राज करती नजर आ रही हैं। रविवार को उन्होंने नई फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' का एक बीटीएस वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया, जिसने फैंस का ध्यान खींचा। बीटीएस वीडियो में रानी चटजी एक चालाक और चुलबुली बहू के किरदार में नजर आती हैं। उन्होंने ग्रीन कलर की फूलों वाली साड़ी पहनी हुई है, जिसमें उनका ग्रामीण लुक बेहद प्रभावशाली दिख रहा है। सिर पर पल्लू, माथे पर सिंदूर, गले में मंगलसूत्र, और हाथों में चूड़ियों के साथ रानी बिल्कुल एक चालाक गांव की बहू की छवि में ढली हुई नजर आती हैं। उन्होंने बालों को दो लंबी चोटियों में गूंथा है और लाल रंग की रिबन लगाई है।

अल्लू अर्जुन को पुष्पा 2: के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

दुबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स में पुष्पा 2: द रूल के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला है। अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े कलाकारों में से एक है।'पुष्पा'फ्रेंचाइजी में'पुष्पा राज'का किरदार

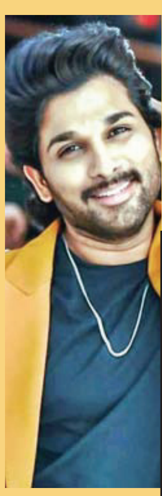

निभाकर उन्होंने एंटरटेनमेंट की दुनिया में एक नया इतिहास रचा है। उनका यह आइकॉनिक किरदार सिर्फ उनकी जबरदस्त एक्टिंग की वजह से दर्शकों द्वारा इतना पसंद किए गया है। बीते कुछ सालों में अल्लू अर्जुन को उनकी एक्टिंग के लिए क्रिटिक्स द्वारा सिर्फ सराहना ही नहीं बल्कि कई अवॉर्ड्स भी मिल चुके हैं। ऐसे में अपनी उपलब्धि में एक और सफलता जोड़ते हुए अल्लू अर्जुन ने साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स में फिल्म पुष्पा 2: द रूल के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवॉर्ड अपने नाम किया है।

अजय देवगन की 'धमाल 4' की शूटिंग पूरी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की आने वाली फिल्म धमाल 4 की शूटिंग पूरी हो गयी है। धमाल 4 बॉलीवुड की लोकप्रिय कॉमेडी फिल्म सीरीज धमाल की चौथी कड़ी है, जिसका निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट के जरिए शूटिंग पूरी होने की घोषणा दी, जिसमें अखबारनुमा चित्र है और उस पर 'धमाल टाइम्स' और 'ब्रेकिंग न्यूज' लिखा हुआ है। अजय देवगन ने इस पोस्ट को कैप्शन दिया, ''आज की ताजा खबर आपके लिए लेकर आ रहे हैं, वो गैंग जो अब जल्द ही लूटने आ रहे हैं आपका दिल और दिमाग। 'धमाल-4' ईद 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'' फिल्म धमाल 4 में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, संजय मिश्रा, रवि किशन और ईशा गुप्ता मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म धमाल 4 का निर्माण अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठाकरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित, और कुमार मंगत पाठक ने किया है। यह टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल, और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाई गई है।

अक्षय ने जुहू बीच पर की साफ सफाई

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार को रविवार को मुंबई के जुहू बीच पर देखा गया। यहां वे एक सफाई अभियान में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने समुद्र तट की सफाई की और लोगों को खास संदेश भी दिया। दरअसल, मुंबई के जुहू बीच पर गणपति विसर्जन के बाद कूड़ा-कचरा फैल जाता है। इसी कारण उसकी सफाई के लिए अभिनेता अक्षय कुमार भी पहुंचे। सफाई अभियान के दौरान उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने कहा, ज्ञान सिखाता है कि हमें स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री भी समय-समय पर इस पर जोर देते रहते हैं। स्वच्छता केवल सरकार का कर्तव्य नहीं है।

कैल्शियम की अधिक मात्रा 'चाइल्ड हुड डिप्रेशन रिस्क' को कम करती है

नई दिल्ली,(आईएएनएस)। एक जापानी शोध दल ने पाया है कि गर्भावस्था के दौरान ज्यादा कैल्शियम इनटेक, चाइल्डहुड डिप्रेशन रिस्क (बच्चों में अवसाद के लक्षणों का जोखिम) को कम करता है। हालांकि, पिछले कुछ शोध दावा कर चुके हैं कि कैल्शियम का अधिक सेवन डिप्रेशन रोकने में मदद कर सकता है। जापान के एहिमे विश्वविद्यालय में इस पर शोध किया गया। यह गर्भवती महिलाओं और उनके बच्चों के संबंध को परखने वाला पहला अध्ययन है। टीम ने दक्षिण-पश्चिमी जापान के क्यूशू क्षेत्र और ओकिनावा में माताओं और उनके बच्चों के स्वास्थ्य अध्ययन के आंकड़ों का उपयोग किया। इसके लिए करीब 873 जोड़ों (मां-बच्चों) ने फॉलो अप स्टडी में भाग लिया। बच्चे 13 साल के हो गए थे। जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक रिसर्च में मई में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के कैल्शियम सेवन की गणना उनके व्यक्तिगत आहार (पूरक आहार को छोड़कर) को जांचने परखने के आधार पर की गई थी। 13 साल के बच्चों के अवसाद के लक्षणों का निर्धारण सेंटर फॉर एपिडेमियोलॉजिक स्टडीज डिप्रेशन स्केल, या सीईएस-डी (जो आत्म-मूल्यांकन पर आधारित है) के अनुसार किया गया था। 0 से 60 की कुल रेंज में, टीम ने 16 या उससे अधिक के स्कोर को डिप्रेशन के लक्षणों का संकेत माना। टीम ने प्रतिभागियों को गर्भावस्था के दौरान उनके कैल्शियम सेवन के आधार पर चार समूहों में विभाजित करके आंकड़ों का विश्लेषण किया। बताया कि सबसे कम सेवन वाले समूह में, 28 प्रतिशत बच्चों में डिप्रेशन के लक्षण दिखाई दिए, जबकि सबसे अधिक सेवन वाले समूह में यह संख्या 18.7 प्रतिशत थी। सबसे अधिक सेवन वाले समूह की महिलाओं द्वारा कैल्शियम का औसत दैनिक सेवन लगभग 675 मिलीग्राम था, जो 18 से 29 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए रिक्मेंडेड (अनुशंसित) मात्रा के लगभग बराबर था।

बिग बॉस 19 के पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट होंगे शहबाज बदेशा

मुंबई (आईएएनएस)। बिग बॉस 19 के 'वीकेंड का वार' एपिसोड में सलमान खान ने बताया था कि इस सप्ताह बिग बॉस हाउस में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी। इसका नाम तो शेयर नहीं किया गया था, लेकिन लोगों को शो के कुछ प्रोमो देख पता लग गया था कि वह अभिनेत्री शहनाज गिल के परिवार से हो सकता है। अब इस बात का खुलासा हो गया है कि ये कंटेस्टेंट कोई और नहीं, शहनाज गिल के भाई शहबाज बदेशा हैं। वो इस सप्ताह 'बिग बॉस 19' के घर में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश करेंगे। अपने भाई के बिग बॉस के घर में जाने पर अभिनेत्री शहनाज बहुत खुश हैं। अभिनेत्री ने भाई को कुछ टिप्स भी दिए हैं। अभिनेत्री शहनाज ने अपने भाई की एंट्री पर खुशी जताते हुए कहा, मुझे उस पर गर्व हो रहा है, सात साल तक उसने इसका इंतजार किया है। मैं अपने भाई के लिए थोड़ी नर्वस भी हूं, लेकिन मैं उसे बाहर से सपोर्ट करूंगी। वह हमें 24 घंटे हंसाता है। वह बाकी के कंटेस्टेंट को हंसता दिखाई देगा।

'स्लम्स का बाहुबली' मेकर्स बना रहे हैं ग्रैंड सेट

मुंबई (वार्ता)। नानी की आने वाली फिल्म द पैराडाइज के लिये हैदराबाद में बड़ा स्लम सेट बनाया जा रहा है। फिल्म द पैराडाइज की दीवानगी तभी से बनी हुई है, जबसे इसका फर्स्ट लुक आउट हुआ है। इस फिल्म को श्रीकांत ओडेला निर्देशित कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में दसरा की जबरदस्त सफलता हासिल की है। फिल्म पहले से ही भारत की सबसे ज्यादा इंतााार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन चुकी है। ऐसे में, मेकर्स इस बार फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा स्लम सेट बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि ''मेकर्स हैदराबाद में एक इतना बड़ा स्लम सेट बना रहे हैं, जितना बाहुबली फ्रेंचाइा के महिष्मति साम्राज्य का सेट था। नानी का किरदार स्लम से निकलकर पावर तक पहुंचता है।

अनुपर्णा रॉय को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार

नयी दिल्ली (भाषा)। 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली फिल्मकार अनुपर्णा रॉय को वेनिस अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है। फिल्म का प्रीमियर एक सितम्बर को महोत्सव के प्रतिष्ठित ओरिजोंटी प्रतियोगिता खंड में हुआ था। यह नए रुझानों को उजागर करने वाली फिल्मों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है, जिसमें पहली फिल्मों, युवा प्रतिभाओं, स्वतंत्र फीचर फिल्मों और कम प्रसिद्ध सिनेमा पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। रॉय ने कहा कि यह फिल्म उन सभी महिलाओं को समर्पित है जिन्हें 'चुप करा दिया गया, नजरअंदाज किया गया या कमतर आंका गया।' उन्होंने एक बयान में कहा, 'यह फिल्म हर उस महिला को समर्पित है जिसे कभी चुप कराया गया, अनदेखा किया गया या कमतर आंका गया। उम्मीद है कि यह जीत सिनेमा और उससे परे महिलाओं के लिए और शक्ति पैदा करेगी।'

'बागी 4' को नहीं मिला दर्शकों का साथ

मुंबई (आईएएनएस)। टाइगर श्रॉफ की मोस्ट अवेटेड एक्शन फिल्म 'बागी 4' को रिलीज हुए अभी दो ही दिन हुए हैं, लेकिन फिल्म को दर्शकों से वैसा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा, जैसी उम्मीद की जा रही थी। ओपनिंग डे पर जहां फिल्म ने ठीकठाक शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन आते-आते इसके कलेक्शन में भारी गिरावट देखी गई। कलेक्शन में गिरावट सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भी साफ नजर आ रही है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 12 करोड़ की कमाई की और दूसरे दिन की कमाई सिर्फ 9 करोड़ तक सिमट गई। अब तक की कुल कमाई देखें तो 'बागी 4' घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महज 21 करोड़ ही जुटा पाई है। 'बागी 4' की तुलना अगर अन्य कई बड़ी फिल्मों से की जाए, तो यह फिल्म काफी पीछे रह गई है। हाल ही में रिलीज हुई अहान पांडे की फिल्म 'सैयारा' ने दो दिन में 47.5 करोड़ की कमाई की, जबकि रजनीकांत की फिल्म 'कुली' ने 119.75 करोड़, आमिर खान की 'सितारे जमीन पर' ने 30.9 करोड़ और ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' ने 109.85 करोड़ की कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर अपना दम दिखाया। इन आंकड़ों के सामने 'बागी 4' कहीं टिकती नहीं दिख रही।

रकुल प्रीत ने मनाया राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो-2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने बिजी शेड्यूल के साथ ही राष्ट्रीय पोषण सप्ताह भी मनाया। इस दौरान रकुल प्रीत ने हेल्दी डाइट ली, जिसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। पोस्ट में रकुल प्रीत सिंह ने लिखा, बीते कुछ दिनों में मैंने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (1-7 सितम्बर) मनाया। इस दौरान मैंने हर दिन बस हेल्दी डाइट ली। कुछ खास नहीं, बस असली, संतुलित भोजन, जो मेरे लिए कारगर है। पोस्ट में उन्होंने कई तस्वीरें शेयर कीं। रकुल प्रीत ने इस दौरान कैसा डाइट लिया, इसके बारे में फैंस को जानकारी दी। साथ ही कुछ टिप्स भी लोगों के साथ शेयर किए, जैसे प्लेट में हर रंग का भोजन होना चाहिए, खाना आराम से खाना चाहिए, मौसमी सब्जियां खाएं, और अपने भोजन को संतुलित रखें। इससे पहले इंस्टाग्राम पर रकुल प्रीत सिंह ने एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें वो अपने पसंदीदा गाने को गाते दिखाई दी थीं।

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के 'अमिताभ' को अंतिम समय में मिला अकेलापन

नई दिल्ली (आईएएनएस)। अभिनेता सतीश कौल ने बी.आर. चोपड़ा के लोकप्रिय धारावाहिक महाभारत में इंद्रदेव की भूमिका निभाकर घर-घर में पहचान बनाई थी। अपने अभिनय से उन्होंने लाखों दिलों पर राज किया। सतीश कौल को 'पंजाबी सिनेमा का अमिताभ बच्चन' कहा जाता था, जिन्होंने अपने चार दशक लंबे करियर में लगभग 300 से अधिक फिल्मों में काम किया। इतनी शोहरत मिलने के बाद उनके जीवन का आखिरी समय अकेलेपन और आर्थिक कठिनाइयों से गुजरा। सतीश कौल का जन्म 8 सितम्बर 1946 को कश्मीर में हुआ था। उनके पिता मोहन लाल कौल एक कश्मीरी कवि थे। सतीश ने अपनी स्कूली शिक्षा श्रीनगर में पूरी की और बाद में अभिनय में करियर बनाने के लिए पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में दाखिला ले लिया। जया बच्चन, डैनी डेन्जोंगपा और शत्रुघ्न सिन्हा जैसे दिग्गज कलाकार वहां उनके सहपाठी रहे। सतीश कौल ने अपने करियर की शुरुआत 1970 के दशक में पंजाबी फिल्मों से की और जल्द ही वह इस इंडस्ट्री के सुपरस्टार बन गए। उन्होंने 'सस्सी पुन्नू', 'इश्क निमाना', 'सुहाग चूड़ा', 'पटोला', 'आजादी', 'शेरा दे पुत्त शेर', 'मौला जट्ट' और 'पींगा प्यार दीयां' जैसी पंजाबी फिल्में कीं। उनकी रोमांटिक और भावनात्मक भूमिकाओं ने उन्हें दर्शकों का चहेता बना दिया। सतीश ने हिंदी सिनेमा में भी अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन उन्हें पंजाबी सिनेमा जैसी सफलता नहीं मिली। उन्होंने वारंट (1975), 'कर्मा' (1986), आग ही आग (1987) , कमांडो (1988), 'राम लखन' (1989), 'प्यार तो होना ही था' (1998) जैसी कई हिंदी फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने सबसे पहली शूटिंग सतीश कौल की फिल्म की ही देखी थी। इसके बाद ही उन्होंने एक्टिंग में आने का मन बनाया।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक ने किया आरसेटी कार्यालय का निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. आर. रवि बाबू ने शुक्रवार को एसबीआई-आरसेटी का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसबीआई के उप महाप्रबंधक श्री अरविंद भट्ट, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री रमेश तंबिया, लीड जिला प्रबंधक श्री एल.आर. मोडासिया तथा संस्थान के निदेशक रूपेश शर्मा उपस्थित रहें। मुख्य महाप्रबंधक ने संस्थान में संचालित विभिन्न स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं एवं अभिलेखों का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया। उन्होंने ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। डॉ. आर. रवि बाबू ने कहा कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान स्वरोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा ऐसे प्रयासों को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक अरविंद भट्ट ने कहा कि बैंक प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु ऋण एवं अन्य वित्तीय सहायता प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला विकास प्रबंधक श्री रमेश तंबिया ने संस्थान के कार्यों को प्रभावी बताते हुए कौशल विकास के क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। लीड जिला प्रबंधक एल.आर. मोडासिया ने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न बैंक योजनाओं से जोड़कर स्वरोजगार स्थापित करने पर बल दिया। संस्थान के निदेशक रूपेश शर्मा ने संस्थान की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान संस्थान की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया तथा भविष्य में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

सेवानिवृत्ति विशेष: एक समर्पित व आदर्श शिक्षक महेंद्र कुमार माली

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । सरकारी सेवा में रहकर बेदाग पारी खेलना कार्मिकों के लिए एक सुकून और सौभाग्य की बात मानी जाती है। यदि कार्मिक शिक्षा विभाग में हो और अपनी सेवाओं को सफलतापूर्वक पूरी कर लें तो उससे बड़ी कोई बात शिक्षा विभाग कार्मिक के जीवन में हो नहीं सकती। करीब तीन दशक तक सफलता पूर्वक, समर्पण भाव, निष्ठा और ईमानदारी के साथ शिक्षा विभाग की सेवा करने वाले शिक्षक महेंद्र कुमार माली एक समर्पित व आदर्श शिक्षक के रूप जाने जाते हैं। करीब 29 वर्ष 11 माह तक सरकारी शिक्षक के रूप में शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं देने वाले महेंद्र कुमार 28 फरवरी 2026 को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 9 लक्ष्मणगढ़ से प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त होंगे। अपने कैरियर की शुरुआत आदर्श विद्या मंदिर से शुरू करने वाले महेंद्र कुमार ने सरकारी शिक्षक के रूप शेरगढ़ जोधपुर से अपनी शुरुआत की। इसी दौरान सीकर जिले में पंचायती राज विभाग में सरकारी शिक्षक के रूप में चयन होने पर करीब एक साल बाद शेरगढ़ जोधपुर को अलविदा कहकर लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति में अपनी जोइनिंग दी। अपने हंसमुख व्यवहार, मिलनसार

व्यक्तित्व व कार्य प्रति समर्पित भाव के कारण न केवल विधार्थियों के चहेते गुरूजी बनें बल्कि साथी स्टाफ के सारथी के रुप में अपनी पहचान बनाई तो अधिकारियों की नजर में योग्य शिक्षक साबित हुए। जहां भी पदस्थापित रहे बस एक ही सपना बच्चों को संस्कारवान बनाना व स्कूल का सर्वांगीण विकास का ख्वाब मन में रखा। सरकारी स्कूल में बच्चों की छोटी मोटी आवश्यकता की पूर्ति करवाना व स्कूल में संसाधन जुटाने के लिए प्रयासरत रहना व संस्था में निर्माण कार्य आदि के लिए सतत् रूप से दानदाताओं व भामाशाहों से संपर्क करना और उन्हें प्रेरित करना अपना ध्येय बनाए रखा। आदर्श विद्या मंदिर में शिक्षक के रूप कैरियर की शुरुआत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक के रूप जो सिखा, समझा और हासिल किया वो सभी अपने सरकारी स्कूल में बच्चों को दिया। शुरुआती दौर में लक्षमनगढ आदर्श विद्या मंदिर में आचार्य के रूप में और बाद में नवलगढ़ में शुरू हुई आदर्श विद्या मंदिर में प्राचार्य के पद का पदभार ग्रहण कर वहां अपनी सेवाएं दी। इस दौरान समाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे तथा जरुरतमंद विधार्थियों को पाठ्य-पुस्तक, ड्रेस,फीस आदि की व्यवस्था करवाना तथा महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास के संस्थापक ट्रस्टी होने के नाते युवाओं के कैरियर बनाने में भी जुटे हैं। सेवानिवृत्त होने के बाद शिक्षा व सेवा कार्य से जुड़े रहने की बात कहते हुए अधिकांश समय महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास को देने का संकल्प लिया है । सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक महेंद्र के पिताश्री नागरमल भगवान शिव के परम् भक्त सीधे सरल स्वभाव वाले हैं उन्होंने लंबे समय तक श्री रघुनाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय में अपनी सेवाएं दी है । इनकी माताश्री गृहिणी है जबकि इनके एक पुत्र व पुत्रवधू चिकित्सक एवं दूसरे पुत्र इंजीनियर व पुत्रवधू उच्च शैक्षणिक योग्यताधारी है तथा एक पुत्री उच्च शिक्षित व दामाद व्यवसायी हैं। इनकी धर्मपत्नी श्रीमती संतरा देवी कुशल गृहिणी और धार्मिक व आध्यात्मिक महिला है ।

विधायक श्रवण कुमार की अनुशंसा पर क्षेत्र में 12.5 किमी सड़क के चौड़ीकरण को मंजूरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

राजस्थान सरकार के बजट 2026-27 में सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र को महत्वपूर्ण सौगात मिली है। क्षेत्रीय

विधायक श्रवण कुमार के प्रयासों से गाडाखेड़ा से बुहाना तक जाने वाली मुख्य सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा आज वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान इस सड़क परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई। घोषणा के अनुसार गाडाखेड़ा-शाहपुर-श्यामपुरा मैनाना-पालोता-बुहाना मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इस सड़क की कुल लंबाई 12.5 किलोमीटर होगी, जिस पर लगभग 9 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से कार्य कराया जाएगा। यह सड़क झुंझुनूं जिले के सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ती है।

विधायक बोले – विकास कार्यों को मिलेगी गति

विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांग को बजट में शामिल कराया गया है। उन्होंने राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा कि सूरजगढ़ के विकास के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे और क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। सड़क निर्माण की घोषणा के बाद संबंधित गांवों के लोगों में खुशी का माहौल है। सूरजगढ़ निवासियों ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सरकार एवं विधायक श्रवण कुमार का आभार व्यक्त किया है।

ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

सड़क निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आवागमन सुगम होगा। किसानों, विद्यार्थियों और मरीजों को भी बेहतर परिवहन व्यवस्था का लाभ मिलेगा। सड़क उन्नयन से यात्रा समय कम होने के साथ सड़क सुरक्षा में भी सुधार होने की उम्मीद है।

महात्मा ज्योतिबा छात्रावास लक्ष्मणगढ़ को मिली एक और कामयाबी, छात्रावास के विद्यार्थी आशीष का हुआ एसबीआई में चयन

छात्रावास को एक वर्ष में मिली दूसरी बड़ी सफलता

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ को एक और कामयाबी मिली है। यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास में आवासीय विद्यार्थी के रूप में रहते हुए व छात्रावास में संचालित लाइब्रेरी में अध्ययन करते हुए आशीष सैनी ने सफलता का परचम लहराते हुए एसबीआई बैंक में चयनित होने में कामयाबी हासिल की है।

छात्रावास के महामंत्री महेंद्र कुमार माली ने बताया कि समाजसेवी राधेश्याम टांक सैनी के अनुज हरिप्रसाद टांक के सुपौत्र व व्यवसायी प्रमोद कुमार टांक सैनी के

सुपुत्र आशीष सैनी का चयन एसबीआई बैंक में हुआ है। आशीष ने अपनी सफलता का श्रेय गुरूजनों, परिजनों व महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास को दिया है । छात्रावास के विधार्थी आशीष का एसबीआई बैंक में चयन होने पर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी सहित सभी पदाधिकारी सदस्यों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी छात्रावास के विद्यार्थी राहुल बागड़ी फतेहपुर का चयन रेलवे विभाग में हुआ था। अपने अल्प समय में ही छात्रावास ने बड़ी उपलब्धि हासिल करने पर छात्रावास के पदाधिकारी सदस्यों व विधार्थियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई प्रेषित की है । छात्रावास के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली व प्रवक्ता मनोज राकसिया ने बताया कि यह विधार्थियों की कड़ी मेहनत व छात्रावास की टीम के कुशल प्रबंधन का प्रयास है कि इतने कम समय में ही छात्रावास के दो विधार्थियों को सफलता मिली है घउन्होनें बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व शुरू हुए छात्रावास को यह दूसरी सफलता मिली है। जो शेखावाटी अंचल में एक बड़ी उपलब्धि है।

मौत की झूठी खबर सोशल मीडिया पर डालने वाला गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । पुलिस ने सोशल मीडिया पर मौत की झूठे खबर लोगों को भ्रमित करने के आरोपी में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। सीआई रामपाल मीणा ने बताया कि मौत झुठी खबर इंस्टाग्राम पर वायरल करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए वार्ड 16 निवासी अमन बड़ीवाल पुत्र महेशचन्द को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

विशाल कैंप फायर के साथ शिविर का समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय झुंझुनू के तत्वाधान में भारु ग्राम में चल रहे कब मास्टर फ्लॉक लिडर बेसिक प्रशिक्षण शिविर का विशाल कैम्प फायर के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सचिव रामनिवास झाझडिया ने की । विशिष्ट

अतिथि सेवानिवृत अध्यापक अमरचंद तथा स्काउट मास्टर प्रमोद कुमार थे । जिला ओर्गेनाइजर प्रदीप कुमार ईशरवाल ने आए हुए अतिथियों का स्काउट परंपरा से स्वागत किया । कार्यक्रम का संचालन हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के ब्लॉक प्रभारी आशीष गुडेसर ने किया। अतिथियों का धन्यवाद पूर्व राष्ट्रपति रोवर रामवतार अध्यापक ने किया। इस अवसर पर मीरा ईशरवाल, दीपिका बिरख, प्रियंका, पिंकू, हरलाल सिंह, सत्यपाल, विकास, गोपाल कुमावत, महिपाल पुजारी भारु रहे।

स्काउट गाइड ने किया रथ यात्रा में सहयोग

अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला कोषाध्यक्ष ने किया शिविर का अवलोकन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । खाटूश्यामजी श्री श्याम फाल्गुनी लक्खी मेले में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के सदस्यों ने फाल्गुनी एकादशी पर रथयात्रा में सहयोग प्रदान किया। शिविर संचालक सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा ने गबताया कि विभिन्न स्थानीय संघों एवं जिलों से आए स्काउट गाइड रोवर रेंजर सदस्यों द्वारा लगातार सहयोग प्रदान किया जा रहा है। शुक्रवार को अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी बाबूलाल गुर्जर व जिला मुख्यालय सीकर के कोषाध्यक्ष मामराज शर्मा ने सेवा शिविर का अवलोकन किया, इस दौरान अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी गुर्जर ने अपने उद्बोधन में कहा की स्काउट गाइड संगठन एक वर्दी धारी संगठन है, इससे बालक बालिकाओं का सर्वांगीण विकास होता है, स्काउट संगठन के सदस्य निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं। यह समस्त सदस्य हमारी शक्ति का मुख्य स्रोत है । जितना बल बढ़ेगा उतना ही आंदोलन दिनों दिन प्रगति करता रहेगा। इसी प्रकार आंदोलन को इसी प्रकार से आगे से आगे बढ़ाना हैं ।इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों को स्कार्फ व बाबा श्याम का

दुपट्टा पहनाकर एवं प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आठ दिवसीय मेला सेवा शिविर का समापन कल होगा। इस मौके पर रामलाल चौधरी, गिरधारी लाल डावर, सचिव पवन कुमार शर्मा, प्रभुदयाल कुमावत, एडवोकेट जनार्दन शर्मा,? सुवालाल कुमावत विष्णु शर्मा, पप्पू राम मीणा, राजवीर सिंह यादव, सांवरमल छब्बरवाल, सीताराम गुप्ता, देवीलाल जाट, मोहनलाल सुखाड़िया, दिलीप कुमार तिवाडी, रामनिवास डाबला, रामपाल सिंह, धनराज सैनी, राघव शर्मा, इरशाद , लखन बावरिया, निक्की जांगिड़, रामप्रसाद भास्कर, पितांबर लोरा, सचिन शर्मा, सहित स्काउट, गाइड, रोवर रेंजर स्काउटर, गाइडर, रोवर लीडर व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

पिलानी में सीडीपीओ सरोज सेहरा का सम्मानपूर्वक विदाई समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

समेकित बाल विकास परियोजना सेवाएं (आईसीडीएस) कार्यालय, पिलानी में सीडीपीओ सरोज जी सेहरा के कार्यकाल पूर्ण होने पर विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भावभीनी विदाई दी। समारोह में पार्षद विशाल नायक (पिलानी) एवं अखिल भारतीय नायक सभा राजस्थान प्रदेश के महासचिव सहित पिलानी सेक्टर की महिला पर्यवेक्षक अनीता देवी, सीडीपीओ कार्यालय स्टाफ के विवेक शर्मा, शालू सिंह राठौड़ सहित समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सरोज सेहरा को माला, साफा, चुनरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पिलानी क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सेक्टर पिलानी आंगनवाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता संतोष नायक, चंदा देवी,

पिंकी वर्मा, अंजना शर्मा, अफसाना बानो, अर्चना देवी, रजनी शर्मा, संतरा नायक, विमला देवी, बबीता कंवर, सुनीता सैनी, सावित्री सैनी, सीमा आलडिया, पुष्पा देवी, अनीता, कृपा देवी, संतोष, मंज देवी, शकुंतला देवी, सुशीला देवी, इंदु देवी, ललिता, प्रताप जी एवं रोहित नायक सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहें। समारोह की संपूर्ण व्यवस्था पार्षद विशाल नायक द्वारा की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सरोज सेहरा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

ढोलास गांव के गौरव ने लहराया सफलता का परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

समीपवर्ती गांव ढोलास के पारीक परिवार को होली के त्यौहार पर दोहरी खुशी मिली है । मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान पुस्तकालय सेवा परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विनोद पारीक के पुत्र व भारतीय नौसेना के सैनिक गौरव पारीक का भारतीय स्टेट बैंक में चयन हुआ है । गौरव वर्तमान में इंडियन आर्मी में विशाखापट्टनम में पदस्थापित हैं तथा अगस्त 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इससे पूर्व ही एसबीआई में चयन हो गया। भारतीय नौसेना में गौरव अगस्त 2011 से अपनी सेवाएं देश के लिए दे रहे हैं । गौरव की शानदार सफलता व उपलब्धि पर पारिवारिक सदस्यों, ग्रामीणों, शुभचिंतकों व सहयोगियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

शेखावाटी में पुरातत्व की बड़ी खोज: त्यौंदा के रीढ़ का टीला बना ऐतिहासिक अध्ययन का केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । खेतड़ी तहसील के त्यौंदा गांव स्थित रीढ़ का टीला इन दिनों शेखावाटी के इतिहास को नई दृष्टि से समझने का आधार बनता जा रहा है। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा वर्ष की शुरुआत में यहां वैज्ञानिक पद्धति से शुरू किया गया उत्खनन अब महत्वपूर्ण परिणाम देने लगा है। प्रारंभिक खुदाई में 11वीं-12वीं सदी के भव्य मंदिर के अवशेष सामने आए हैं, जिससे क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत को लेकर नई संभावनाएं जागृत हुई हैं। उत्खनन कार्य से पहले स्थल का विस्तृत सर्वेक्षण, सीमांकन और मानचित्रण किया गया। प्रशासनिक औपचारिकताओं के बाद वैज्ञानिक तकनीकों के साथ खुदाई प्रारंभ की गई। प्रत्येक परत का विधिवत अभिलेखीकरण, फोटोग्राफी तथा प्राप्त पुरावशेषों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है।

मंदिर वास्तु के सशक्त प्रमाण

खुदाई में पत्थरों से निर्मित फर्श, चौकोर आधार पर स्थापित पाषाण खंड तथा अर्धवृत्ताकार संरचना के अवशेष मिले हैं। लाल पत्थर के ब्लॉक और ईंटनिर्मित ढांचे यह संकेत देते हैं कि यहां एक सुव्यवस्थित और भव्य मंदिर परिसर रहा होगा। संरचनात्मक शैली के आधार पर विशेषज्ञ इसे राजपूतकालीन या उससे पूर्व के कालखंड से जोड़कर देख रहे हैं।

निरंतर बसावट के संकेत

मिट्टी की विभिन्न परतों और प्राप्त सामग्री के अध्ययन से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि रीढ़ का टीला केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि बहु-सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। अलग-अलग कालखंडों में यहां मानव बसावट बनी रही, जो इसे

विशेषज्ञों ने बताया मील का पत्थर

डॉ. पंकज घटेट, निदेशक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने कहा कि यह उत्खनन राजस्थान के क्षेत्रीय इतिहास को नई दिशा देगा। संयुक्त निदेशक कृष्णकांत शर्मा के अनुसार शेखावाटी के सांस्कृतिक परिदृश्य को समझने में यह प्रयास महत्वपूर्ण साबित होगा। उत्खनन अधीक्षक डॉ. विनीत गोयल ने बताया कि खुदाई पूर्णतः वैज्ञानिक पद्धति से की जा रही है और शोध निष्कर्षों को प्रकाशनों व संगोष्ठियों में साझा किया जाएगा। खोज एवं उत्खनन अधिकारी डॉ. विवेक धुलिया ने प्रारंभिक परिणामों को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि आगामी चरणों में और महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। रीढ़ का टीला अब केवल एक पुरास्थल नहीं, बल्कि शेखावाटी की ऐतिहासिक पहचान को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय बनता जा रहा है।

ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। वैज्ञानिक विश्लेषण और सटीक काल-निर्धारण के बाद इस स्थल की ऐतिहासिक भूमिका और स्पष्ट हो सकेगी।

खेतड़ी - त्यौंदा में खुदाई करते हुए

खेतड़ी - खुदाई में निकले मंदिर के अवशेष

खेतड़ी - खुदाई में निकली मूर्ति

खेतड़ी को बजट में मिली बड़ी सौगातें

ट्रोमा सेंटर व विज्ञान संकाय की घोषणा, ग्रामीणों ने विधायक का जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । विधानसभा में बजट वर्ष 2026-27 के वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। जिले में

सर्वाधिक घोषणाएं खेतड़ी क्षेत्र को मिलने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। मुख्यमंत्री ने खेतड़ी के उप जिला अस्पताल में ट्रोमा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की, जिससे क्षेत्रवासियों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। अभी तक गंभीर घायलों को झुंझुनूं या जयपुर रेफर करना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती थी। ट्रोमा सेंटर की स्थापना से सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों में त्वरित उपचार संभव होगा। इसके अलावा राजकीय कन्या महाविद्यालय, बबाई में विज्ञान संकाय शुरू करने की घोषणा भी की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को विज्ञान विषय की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और उच्च शिक्षा के अवसर स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगे। वहीं, गोठड़ा शहरी जल योजना के पुनरुद्धार कार्य के लिए पांच करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। इस योजना से क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ होगी और लंबे समय से चली आ रही जल समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि ये घोषणाएं क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। ग्रामीणों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी विधायक के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि घोषित योजनाओं का शीघ्र क्रियान्वयन होगा और खेतड़ी विधानसभा विकास की नई दिशा में आगे बढ़ते दिखाई देगी।

हरियाणा-दिल्ली के पहलवानों ने दिखाया दमखम, गोसाई मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । गोठड़ा ग्राम पंचायत स्थित गोसाई मंदिर में बाबा गोसाई सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित बाबा गोसाई मेले में इस बार खेल और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। मेले में 11 हजार रुपये तक की कुश्ती प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रही, जिसमें हरियाणा, दिल्ली, अलवर व गुरुग्राम सहित आसपास क्षेत्रों के नामी पहलवानों ने दमखम दिखाया। मंदिर पुजारी लीलाधर भगत ने विधिवत ज्योत प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीआई राकेश कुमार रहे, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी हरिराम गुर्जर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकुमार बाडेटिया, प्रकाश भरगड़, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अशोक कुमार एवं सुरेश सैनी मौजूद रहे। अतिथियों ने पहलवानों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाया। कुश्ती मुकाबलों में पहलवानों ने जोरदार दांव-पेंच दिखाए, जिससे दर्शकों में उत्साह बना रहा। प्रतियोगिता के निर्णायक भादरमल खटाणा और रामेश्वरलाल चनेजा रहे। मेले में आसपास के गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे और बाबा के दरबार में धोक लगाकर आशीर्वाद लिया। महिलाओं ने चाट-पकौड़ी सहित विभिन्न व्यंजनों का आनंद लिया, वहीं बच्चों ने मेले में लगी दुकानों पर खरीदारी कर उत्साह दिखाया। समाजसेवी हरिराम गुर्जर ने बताया कि मेले का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। देर शाम तक मेले में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

खेतड़ीनगर - गोसाईं मंदिर में कुश्ती दंगल का शुभारंभ करते हुए

फागोत्सव की धूम: फाल्गुनी लोक गीत धमाल,चंग की थाप बांसुरी की मधुर धुन पर जमकर थिरके लोग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । पर्यटन नगरी मंडावा में सर्व हितैषी व्यायाम शाला के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज फागोत्सव कार्यक्रम का आयोजन बाल भारती विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय वार्ड 17 में हुआ। पर्यटन नगरी मंडावा में विभिन्न त्यौहारों को मनाने की एक अलग ही परंपरा है जिसमे होली पर होने वाले फागोत्सव की एक विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान है। होली का पर्व नजदीक आते ही ढोल ताशे ढप ओर बासुरी की धुन लोगो को रोमांचित कर देती है। ये आयोजन सर्व हितैषी व्यायाम शाला द्वारा विगत सैकड़ों वर्षों से निरंतर जारी है। एकादशी जुलूस, धुलंडी का ऐतिहासिक जुलूस क्षेत्र की एक शान है। 40 दिवसीय कार्यक्रमो के तहत पूर्व के दिनों में जहां चंग की थाप बांसुरी की मधुर धुन ओर फाल्गुनी गीतों के साथ धमाल मंडावा पर्यटन नगरी में युवाओं में एक खासा उत्साह बढ़ाते हैं। पर्यटन नगरी मंडावा में आज आनंदपुरा ढप मण्डली, शेखावाटी लोककला मंडलियों के कलाकारों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों के तहत रंग रसिया कार्यक्रम में एक से बढ़ कर एक धमाल ओर फाल्गुनी गीतों की प्रस्तुतियां देकर लोगों को थिरकने को विवश कर दिया। 40 दिवसीय फागोत्सव का आयोजन सर्व हितैषी व्यायाम शाला द्वारा पिछले करीब 125 से अधिक समय से किया जा रहा है। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में आज शुक्रवार को वार्ड 17 स्थित बाल पब्लिक स्कूल में सर्व हितैषी व्यायाम शाला द्वारा आज रंग रसिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रारंभ में सर्व हितैषी व्यायाम शाला के पीताम्बर मिश्रा,बालकिशन भाटीवाडा सुरेश पालड़ी वाला , चंद्र प्रकाश सेन ,पूर्व पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी,भोलासिंह यदुवंशी ,संजय शर्मा लुमास, विद्यालय संचालक राजेंद्र सनोदिया सहित नगर के प्रमुख लोगों ने चंग पर थाप लगाकर कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। फाग रंग रसिया कार्यक्रम में आनंदपुरा अखाड़ा ओर शेखावाटी लोककला चंग मंडलियों के कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। इस संबंध में पीताम्बर मिश्रा बालकिशन भाटीवाडा ने बताया ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन आपसी सौहार्द प्रेम ओर भाईचारा बढ़ाने को लेकर किए जाते हैं। युवाओं को अपनी संस्कृति से जुड़ाव रखने ओर एक दूसरे के बीच आपसी सौहार्द,प्रेम स्नेह बनाए रखने को लेकर किया जाता है। इस दौरान स्थानीय लोगों सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ओर बच्चों कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सर्व हितैषी व्यायाम शाला पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने कलाकारों को पुरस्कार भेंट कर उनका सम्मान किया।

श्रद्धालुओं के लिए आज खुलेगा श्याम भक्ति का भंडारा, दोपहर सवा बारह बजे होगा शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । केसीसी के जगदंबा मार्केट स्थित श्याम कटला में शनिवार को श्रद्धा और सेवा भाव का संगम देखने को मिलेगा। श्री श्याम मित्र मंडल खेतड़ीनगर के सौजन्य से यहां श्री श्याम बाबा का विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। समिति के प्रमोद शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार दोपहर सवा बारह बजे बाबा श्याम के अलौकिक श्रृंगार एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की जाएगी। इसके पश्चात भंडारे का शुभारंभ होगा। आयोजन स्थल पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा भक्तों के लिए प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई है।

गोल्ड मेडल सूची में नामित छात्रा सोनल तोलासरिया का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा कालेज मंडावा की बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा सोनल तोलासरिया पुत्री रविशंकर तोलासरिया का विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडल के लिए नामित हुआ है। छात्रा सोनल की इस उपलब्धी से महाविद्यालय, कस्बे ओर परिवार में खुशी की लहर बन रही है। छात्रा के गोल्ड मेडल के लिए चयन होने पर महाविद्यालय प्रशासन एवं स्टाफ ने प्रबंध समिति के सदस्य सीताराम सैनी,प्राचार्य डॉ. बंदना गौतम के नेतृत्व में छात्रा एवं उनके माता पिता का आज महाविद्यालय परिसर में माल्यार्पण के साथ मिठाई खिलाकर सम्मान करते हुए गोल् मेडलिस्ट बनने पर शुभकामनाएं ओर उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रबंध समिति के सीताराम सैनी ने छात्रा सोनल का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे होनहार प्रतिभा कस्बे के साथ साथ परिवार,संस्थान ओर राज्य का नाम बढ़ाते है। इस अवसर पर सद्दाम हुसैन भाटी, भूपेन्द्र वर्मा,ममता सैनी, अंतिका शर्मा,सरिता झाझड़िया, राजेश टांडी,पवन सैनी,महेन्द्र कुमावत,अनूप चौहान,रमेश शर्मा,रमेश सोनी सहित समस्त स्टाफ ओर छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

फाल्गुन द्वादशी पर सुल्ताना महादेव मंदिर में अखंड रामचरितमानस पाठ आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.सुल्ताना।

फाल्गुन द्वादशी के पावन अवसर पर सुल्ताना स्थित महादेव मंदिर सुल्ताना में महंत अंगद दास स्वामी बाबा धाम के सानिध्य में अखंड रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जाएगा। आचार्य नरेश जोशी के आचार्यत्व में राम दरबार का विधिवत पूजन संपन्न होगा, जिसके पश्चात श्रद्धालु भक्तों द्वारा अखंड रामचरितमानस का पाठ आरंभ किया जाएगा। पाठ पूर्ण होने के उपरांत प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजन में फलाहारी बाबा आनंदगिरी महाराज झुंझुनूं का पावन आतिथ्य रहेगा। मंदिर के सेवक मधुसूदन स्वामी, भरत सिंह, श्याम सिंह, मनोज रुंगटा, मुकेश जोशी, राहुल, पवन सिकलीगर सहित अन्य कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं।

सनातन संस्कृति ही श्रेष्ठ: भालोठ में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

ग्राम भालोठ स्थित प्राचीन ठाकुर जी मंदिर परिसर में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।सम्मेलन की शुरुआत एकादशी के पावन अवसर पर भजन-कीर्तन से हुई। सह खंड कार्यवाह प्रदीप जी के नेतृत्व में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसमें मातृशक्ति ने पूरे जोश और श्रद्धा के साथ सहभागिता निभाई। मंदिर परिसर भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता खंड कार्यवाह श्री विनोद कुमार जी रहे। उन्होंने समाज को समरस और संगठित रहने का संदेश देते हुए कहा कि घर ही संस्कारों का प्रथम सोपान होता है, इसलिए बच्चों को प्रारंभ से ही सुसंस्कृत नागरिक बनाने की पहल घर से करनी चाहिए। उन्होंने देश के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने हजारों वर्षों से विश्व को ज्ञान-विज्ञान का मार्ग दिखाया है। जो राष्ट्र अपने अतीत को भूल जाता है, वह विकास की आशा नहीं कर सकता। उन्होंने समाज को सशक्त बनाने के लिए 'पंच परिवर्तन' की आवश्यकता पर बल देते हुए कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी अपनाने, नागरिक कर्तव्यों के पालन तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्षों के संघर्ष के बाद भी यदि सनातन संस्कृति सुरक्षित है तो इसका श्रेय हमारी मजबूत सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्था को जाता है, जिसे आगे भी संरक्षित रखना होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में विजयपाल शास्त्री ने भारतीय आयुर्विज्ञान और आयुर्वेद की महत्ता पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद संपूर्ण रोगों के उपचार की क्षमता रखता है तथा संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या से दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन संभव है। उन्होंने मंदिरों को सामाजिक उत्थान के केंद्र बनाने की आवश्यकता पर बल दिया और युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मीनारायण गुरुजी, निहाल सिंह साहब, जगदीश प्रसाद, राजू सेठ एवं रणवीर फौजी का श्रीश्याम जी का पट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। मंदिर पुजारी सुरेंद्र स्वामी ने व्यवस्थाओं एवं प्रसाद वितरण की जिम्मेदारी संभाली। अंत में मंडल प्रमुख सुरेश कुमार ने सभी आगंतुकों एवं अतिथियों का आभार प्रकट किया।सम्मेलन ने क्षेत्र में सांस्कृतिक जागरण और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

लक्ष्मणगढ़ के श्री जानकी वल्लभ जी के मंदिर में जिले की महिलाओं ने मनाया फागोत्सव

तीन दशक बाद मां जानकी के संग ठाकूर जी ने खेली फूलों की होली

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

यहां के श्री जानकीवल्लभ मन्दिर में शुक्रवार को जिले की महिलाओं ने भव्य फागोत्सव मनाया जबकि करीब तीन बाद मंदिर में ठाकुरजी ने मां जानकी संग फूलों की होली खेली।

आयोजित फागोत्सव में सीकर से जानकी नाथ महिला मण्डल टीम व लक्ष्मणगढ़ की महिला मण्डल की ओर से फाग गीतों व भजनों की प्रस्तुति दी तथा फूलों की होली खेली।हुआ। करीब तीन दशक बाद ठाकुरजी संग श्रद्धालु प्रेम रंग में रंगे। यह जानकारी देते हुए पंडित विष्णु शास्त्री ने बताय कि मंदिर महंत मधुसूदनाचार्य महाराज के सानिध्य में आयोजित फाग महोत्सव में संतोष खण्डेलवाल जानकी नाथ महिला मण्डल टीम व लक्ष्मणगढ़ की महिला मण्डल द्वारा भजनो की प्रस्तुति दी गई।इस अवसर पर सुनिता शर्मा, कृष्णा शर्मा, उर्मिला शर्मा, डॉ अर्चना पुरोहित, संतोष काबरा,माया शर्मा, मीनू मोदी, सुमन सैनी, सोनू सैनी, सुमन सैनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे।

खेतड़ी में 501 निशानों के साथ निकली भव्य श्याम निशान यात्रा, पुष्पवर्षा से गूंजा शहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । खेतड़ी शहर में शुक्रवार को भक्ति और उल्लास का अद्भुत माहौल देखने को मिला, जब श्रीश्याम निशान यात्रा मण्डल के तत्वावधान में 501 निशानों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे और जयकारों के बीच श्याम बाबा की सजी-धजी पालकी के साथ श्रद्धालुओं ने नगर परिक्रमा कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत अजीत सिंह पार्क से हुई। वहां पंडित अनुज शास्त्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर श्याम बाबा की पालकी में विराजित स्वरूप और निशानों का पूजन कराया। इसके बाद शोभायात्रा बस स्टैंड, हनुमानगढ़ी, मुख्य बाजार और करोल बाजार से होते हुए श्याम मंदिर पहुंची, जहां 501 निशान अर्पित किए गए। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शहर के विभिन्न मोहल्लों में भक्तों ने जलपान और स्वागत की व्यवस्था भी की। यात्रा में राधेश्याम शर्मा, नंद किशोर चौकड़ी वाला, पीयूष सुरोलिया, निकेश पारीक, कैलाश जाजोरिया, कैलाश गर्ग, प्रदीप पंवार, मनोज कुमार गुप्ता, ज्योति भारद्वाज, नरेंद्र भार्गव, जय सिंह कुमावत, सुधा सुरोलिया, कीर्ति सुरोलिया सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग में 'श्याम बाबा की जय' के जयकारों से शहर गूंजता रहा और अंत में मंदिर पहुंचकर सामूहिक आरती के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है।

मंडावा में फागोत्सव की धूम, चंग की थाप पर झूमे देशी-विदेशी पर्यटक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

हर्ष स्वामी । होली पर्व के निकट आते ही पर्यटन नगरी मंडावा फाल्गुनी रंगों में सराबोर नजर आ रही है। फाल्गुन माह के अवसर पर आयोजित हो रहे पारंपरिक फागोत्सव के तहत शहर में चंग की थाप, बांसुरी की मधुर धुन और रसिया गीतों की गूंज से वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना हुआ है। आनंदपुरा ढप मंडली के कलाकारों ने रंगारंग 'रंग रसिया' कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक धमाल और फाल्गुनी गीतों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। 40 दिवसीय फागोत्सव का आयोजन सर्व हितैषी व्यायामशाला द्वारा पिछले लगभग 125 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है, जो क्षेत्र की समृद्ध लोक परंपरा का प्रतीक है। सुभाष चौक स्थित कमला अतिथि गृह में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सर्व हितैषी व्यायामशाला के पीताम्बर मिश्रा, बालकिशन भाटीवाड़ा, सुरेश पालड़ीवाला, चंदू सेन, भोलासिंह यादववंशी सहित नगर के पूर्व पालिकाध्यक्ष सजन मिश्रा एवं नरेश सोनी ने चंग पर थाप लगाकर किया। कार्यक्रम में आनंदपुरा अखाड़ा चंग मंडलियों के कलाकारों ने पारंपरिक प्रस्तुतियां दीं। आयोजकों ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य लोक संस्कृति से जुड़ाव बनाए रखना और आपसी प्रेम-सौहार्द को बढ़ावा देना है। फागोत्सव में स्थानीय लोगों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और फाल्गुनी गीतों पर ठुमके लगाकर राजस्थान की लोक संस्कृति का आनंद उठाया। पूरे आयोजन के दौरान शहर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों के लिए 'खुशियों की सौगात', विशाल झूला घर का हुआ लोकार्पण

शिक्षा के साथ खेल भी अनिवार्य- सावरमल मील

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा

शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास को नई दिशा देते हुए स्थानीय जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को भव्य झूला घर (प्ले-जोन) का लोकार्पण किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों के मनोरंजन और उनकी शारीरिक दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से स्थापित इन विशाल झूलों का उद्घाटन संस्था के चेयरपर्सन सावरमल मील, सचिव भगवती मील, निदेशक रितेश मील एवं सिद्धि मील द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए चेयरपर्सन सावरमल मील ने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद और मनोरंजन भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालय में खेल सामग्रियों के विस्तार का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक रूप से तनावमुक्त और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखना है। निदेशक रितेश मील ने बच्चों के भारी उत्साह को देखते हुए कहा कि खेलों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। बच्चों के चहुमुखी विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलों का आयोजन विद्यालय की प्राथमिकता है। शैक्षणिक कार्यवाहक सुनील वर्मा ने जानकारी दी कि विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की रुचि और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर आधुनिक और विभिन्न प्रकार के झूले स्थापित किए गए हैं। लोकार्पण के तुरंत बाद बच्चों ने झूलों का जमकर आनंद उठाया, जिससे पूरा परिसर बच्चों की किलकारियों से गूंज उठा। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, गैर-शैक्षणिक स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। झूला घर की इस नई सौगात से अभिभावकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की है।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का 96 वां बलिदान दिवस

भगतसिंह पार्क, इन्दिरा नगर झुंझुनूं में शहीद भगतसिंह विचार मंच झुंझुनूं एवं सामाजिक न्याय अधिकार मंच झुंझुनूं के तत्वावधान में बनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का 96 वां बलिदान दिवस भगतसिंह पार्क, इन्दिरा नगर झुंझुनूं में शहीद भगतसिंह विचार मंच झुंझुनूं एवं सामाजिक न्याय अधिकार मंच झुंझुनूं के तत्वावधान में बनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रान्तिकारी किसान यूनियन के संयोजक पोकर सिंह झाझडिया व कृषि वैज्ञानिक डॉ हनुमान प्रसाद के मुख्य अतिथि मनाया गया। सर्वप्रथम किसान नेता हेतराम बेनीवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शहीद चंद्रशेखर आजाद को माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, जय भीम, इंकलाब जिंदाबाद, चंद्रशेखर आजाद अमर रहे के नारे लगाए गये। इसके बाद श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए शहीद भगतसिंह विचार मंच के संयोजक बजरंग लाल एडवोकेट ने कहा कि शहीद चंद्रशेखर आजाद ने हर प्रकार के शोषण रहित समाज बनाने के लिए अपना बलिदान दिया था, उनका ये सपना आज भी अधूरा है। आज भी जाति के आधार पर भेदभाव के कारण उत्पीड़ित होने से छात्र छात्राओं को आत्महत्याएं करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। जिसे रोकने के लिए यूजीसी 2026 लाया गया जिसे भी सुप्रीम कोर्ट के द्वारा स्टे कर दिया। हमें यूजीसी 2026 को पूर्ण रूप से लागू कराने तथा किसी भी तरह के सामाजिक भेदभाव के आधार पर उत्पीड़न रोका जाना चाहिए। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने बताया कि आज कि सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यूजीसी के नए नियमों को लागू कराने की मांग को लेकर 6 मार्च को सुबह 11 बजे पूरे जिले में तहसील एवं उप खण्ड कार्यालयो पर धरना देकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे और 16 मार्च को सुबह 12 बजे अम्बेडकर पार्क झुंझुनूं में इकट्ठे होकर जिला कलेक्ट्रेट झुंझुनूं तक रैली निकाली जाएगी तथा यूजीसी 26 को लागू कराने को लेकर जन सभा कर राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यूजीसी के नए नियमों को लागू करने की मांग को लेकर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों पर बेरहमी से लाठी चार्ज किए जाने की निन्दा करते हुए गिरफ्तार छात्रों को रिहा करने की मांग की गई। कृषि उत्पादों को भारत आने की अमेरिका को खुली छूट दिए जाने और किसानों के उत्पादन के निर्यात पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाना, किसानों को बर्बाद करने वाला कदम बताया गया। इसके लिए संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा लिए गए राष्ट्र व्यापी आंदोलन का समर्थन करने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं में अखिल भारतीय किसान सभा के रामचन्द्र कुलहरी, फूलचंद ढेवा, डा सम्पत बारूपाल, पेंशन समाज के चंद्रप्रकाश धूपिया, मजदूर नेता महेश चौमाल, कैप्टन शुभकरण महला, इंजीनियर मालीराम वर्मा, बलबीर काला, आजाद समाज पार्टी जिलाध्यक्ष महेन्द्र सिंह चारावास भीम आर्मी, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ,भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष मंडावा अजय वर्मा नुआ , मनीराम देवरोड़, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण संघर्ष समिति जिलाध्यक्ष रामानंद आर्य ,, कैलाश लाहोरा, प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी लियाकत अली, चौधरी महताब, कैप्टन मोहनलाल, कपिल आर्य एवं सहीराम जाखड़ ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर बालाराम मेघवाल, रामनारायण झाझडिया, शैलेश भारतीय, धर्मपाल डारा, फूलचंद बुडानिया, अनुराग भारू,कमलेश काला ,सहदेव कसवां, कुरड़ाराम ऐचरा, रामनिवास बेनीवाल, लक्ष्मीनारायण, पितराम कालेर, किशन नायक, हरिराम खुडाना, जगमालसिंह, दयाचंद, बनवारीलाल, त्रिलोक सिंह के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बजरंग लाल एडवोकेट ने किया।

शेखावाटी की लोक संस्कृति का संगम, चिड़ावा में सजेगी फाग की भव्य महफिल, 'रंगीलो फागणियो' आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शेखावाटी के प्रसिद्ध कस्बा चिड़ावा में इस बार होली का हुड़दंग और फाल्गुनी मस्ती एक नए स्वरूप में नजर आएगी। नागरिक मंडल, चिड़ावा की ओर से पहली बार भव्य फाग उत्सव 'रंगीलो फागणियो' का आयोजन आज शनिवार, 28 फरवरी को शाम 7.30 बजें रामलीला मैदान (डालमियों का नोहरा) विवेकानन्द चौक चिड़ावा में किया जा रहा है। कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र बिसाऊ की मशहूर शंकर एण्ड पार्टी होगी। यह टीम अपने पारंपरिक ढप, चंग और मंजीरों की थाप पर फाल्गुनी गीतों की ऐसी तान छेड़ेगी कि पूरा पांडाल झूमने पर मजबूर हो जाएगा। चंग की थाप के साथ पारंपरिक धमाल और गीतों के जरिए शेखावाटी की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया जाएगा। आयोजक मंडल ने बताया कि उत्सव की भव्यता को देखते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम में महिलाओं की गरिमामई उपस्थिति के लिए बैठने की अलग से सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि वे भी सपरिवार इस सांस्कृतिक उत्सव का आनंद ले सकें। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अपनी विलुप्त होती लोक परंपराओं को सहेजना और आपसी भाईचारे के साथ होली का आनंद लेना है। नागरिक मंडल समस्त क्षेत्रवासियों को इस सतरंगी शाम में शामिल होने का सादर निमंत्रण देता है।

अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प. सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि महाराज बने जुना अखाड़ा के जगतगुरु शंकराचार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अखिल भारत हिन्दू महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष पवन कुमार पुनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारत हिन्दू महासभा एवं संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि महाराज को जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी के निर्देश पर महाराज का जूना अखाड़ा का जगद्गुरु शंकराचार्य के पद पर अभिषेक किया गया ।पद ग्रहण के बाद नया नाम स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी महाराज घोषित किया गया ।अखिल भारत हिन्दू महासभा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष पवन कुमार पुनिया ने बताया की महाराज को जगद्गुरु शंकराचार्य बनने पर राजस्थान में खुशी की लहर है और सभी पदाधिकारियो ने महाराज को शुभ कामनाएं प्रेषित की। बधाई देने वाले में राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष पवन कुमार पुनिया, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण राम प्रजापत, प्रदेश कोर कमेटी अध्यक्ष डॉ राजेंद्र शर्मा झेरलीवाला, प्रदेश महामंत्री भागीरथ सिंह पिलानिया, प्रदेश संगठन महामंत्री अशोक कुमार योगी, विमल कुमार शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन कुमार शुरा एवं काफी पदाधिकारियो ने फोन कर शुभकामनाएं प्रेषित की महाराज को बधाई देने के लिए सभी प्रदेशों से ताता लगा हुआ है।

हनुमानगढ़ बालाजी मंदिर में आयोजित हुआ फागोत्सव

(विएचपी के प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम व प्रांत संयोजिका सुजाता पारीक बतौर अतिथि हुए शामिल)

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । विश्व हिन्दू परिषद मातृशक्ति द्वारा हनुमानगढ़ बालाजी मंदिर में फागोत्सव व फूलों की होली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम व मातृशक्ति प्रांत संयोजिका सुजाता पारीक विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मातृशक्ति खण्ड संयोजिका अनिता कुमावत ने की। विश्व हिन्दू परिषद के प्रखण्ड उपाध्यक्ष लक्ष्मण स्वामी व सत्संग प्रमुख श्याम सुंदर सेकसरिया ने प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम का शाल व अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मान किया। मातृशक्ति खण्ड सह संयोजिका ममता सैनी ने प्रांत संयोजिका सुजाता पारीक का शाल व अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मान किया। प्रांत संयोजिका व मुख्य वक्ता सुजाता पारीक ने मुख्य उद्बोधन दिया। लक्ष्मणगढ़ की कुसुम व नीलिमा शर्मा ने श्याम धमाल की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में राधा रानी, सखी, सखी सहेली, केसरिया, हम सहेली व लड्डू गोपाल ग्रुप सहित विभिन्न स्थानीय ग्रुपों की 313 महिलाओं ने भाग लिया। सभी ग्रुपों का अलग-अलग ड्रेस कोड था। अनेक बालिकाएं अलग-अलग वेशभूषा बना कर आई। महिलाओं ने श्याम फाग धमाल पर जम कर नृत्य किया व हर्षोल्लास से फूलों की होली खेली। पूरा परिसर श्याममय हो गया। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता का अनूठा व जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया गया। पूरा कार्यक्रम सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।अंत में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अनेक महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुई।

अभिभाषक संघ नीमराना में होली मिलन समारोह का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । अभिभाषक संघ नीमराना में शुक्रवार को शाम के समय होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बार और बेंच ने मिलकर होली मिलन समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस समारोह में अधिवक्ताओं ने अपने विचार रखें और हंसी टिटोली और कविता प्रस्तुत करके मनोरंजन किया। बार और बेंच ने मिलकर रंगों से होली खेली और होली के पावन पर्व का महत्व बताया। इस अवसर पर सिविल न्यायाधीश नितिशा शर्मा, ग्राम न्यायाधिकारी योगेश भारद्वाज, तहसीलदार डॉक्टर विक्रम सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस समारोह में बार संघ अध्यक्ष उदय सिंह, उपाध्यक्ष अमित सोनी, सचिव राकेश यादव, वीरसिंह, पीतांबर, रविंद्र सांवरिया, प्रमोद, देवेन्द्र, मनजीत, प्राण सुख सैनी, राजेश मीणा, रामनिवास सांवरिया, नवीन बाला, सुमिका यादव, ममता शर्मा, शीतल यादव, मनीषा मीणा, नवीन बड़सीवाल, सरजीत, अशोक पनवाल, मंजीत यादव, सतीश, गजेंद्र, सुरेश, विजय चौहान आदि बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। होली मिलन समारोह में उपस्थित लोगों ने होली के पावन पर्व का महत्व बताया और कहा कि यह पर्व बसंत ऋतु के आगमन का स्वागत करता है और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। यह त्यौहार आपसी प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है।

यूजीसी नियमों के विरोध में महवा में हुंकार, 1 मार्च को दौसा कूच का ऐलान

अग्रवाल धर्मशाला में सर्वसमाज की बैठक, हर घर से एक व्यक्ति भेजने का सर्वसम्मत निर्णय।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उच्च शिक्षा से जुड़े यूजीसी के नए प्रावधानों के विरोध में महवा उपखंड मुख्यालय पर सवर्ण समाज ने एकजुटता दिखाई और 1 मार्च को दौसा में प्रस्तावित महा आक्रोश रैली में व्यापक भागीदारी का संकल्प लिया। पुरानी तहसील के समीप स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित बैठक में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से निर्णय किया कि प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सदस्य रैली में शामिल होगा, ताकि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात शासन तक पहुंचाई जा सके। बैठक में अग्रवाल, खंडेलवाल, जैन, ब्राह्मण और राजपूत समाज सहित अन्य वर्गों के पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित रैली किसी वर्ग विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि शिक्षा और अवसरों से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज दर्ज कराने का माध्यम है। निर्णय लिया गया कि गांव-गांव और वार्ड-वार्ड जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाएगा और शांतिपूर्ण तरीके से दौसा पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया जाएगा। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विजयशंकर बोहरा ने बताया कि 1 मार्च को दौसा के लालसोट रोड स्थित सहजनाथ महादेव मंदिर से प्रारंभ होने वाली रैली में महवा से संगठित रूप से भागीदारी की जाएगी। इसके लिए 50 निजी वाहन और 4 बसों की व्यवस्था का संकल्प लिया गया है। सभी वाहन हिंडोन रोड स्थित जलदाय विभाग कार्यालय के पास एकत्रित होकर सामूहिक रूप से दौसा के लिए रवाना होंगे। बैठक के दौरान यूजीसी नियमों को लेकर लोगों में असंतोष स्पष्ट नजर आया और वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रैली पूर्णतः शांतिपूर्ण और कानून सम्मत होगी। बैठक में सतीश अग्रवाल, ताराचंद शर्मा, विष्णु सिंह राजपूत, कपिलसिंह राजपूत, अशोक जैन, हितेश जैन, मनमोहन तांबी, मनोज खंडेलवाल, देवराज गहनोली, विनोद जादौन, नीतेश पालोदा, गोपाल हांडली, अशोक पाली, ताराचंद अग्रवाल, महेंद्र तेगरवाल, राकेश बंसल, अखिलेश बंसल, मोहनलाल तिवारी, डॉ. विशंभर अवस्थी, हरिओम शर्मा, जगदीश भारद्वाज, विष्णु पाराशर, प्रवीण कुमार शर्मा रौतहडिया, हरिओम दीक्षित, पार्षद नरेंद्र शर्मा, अरविंद पावटा सहित सैकड़ों समाजजन मौजूद रहे।

शाहजहांपुर टोल प्लाजा पर भीषण हादसा: डंपर के पिछले चार टायर फटने से लकड़ियों से भरे ट्रक की टक्कर, चालक गंभीर घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । जयपुर-दिल्ली हाईवे पर गुरुवार रात्रि करीब 11:00 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। शाहजहांपुर टोल प्लाजा के पास आगे चल रहे डंपर के पिछले चारों टायर अचानक फट जाने से पीछे से आ रहे लकड़ियों से भरे ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हाईवे पेट्रोलिंग टीम के सदस्य अशोक कुमार ने बताया कि कोटपूतली की ओर से दिल्ली के कीर्ति नगर जा रहा लकड़ियों से भरा ट्रक टोल प्लाजा के पास वाहनों की भीड़ के बीच धीमी गति से आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान आगे चल रहे डंपर के पिछले चारों टायर एक साथ फट गए, जिससे डंपर अनियंत्रित हो गया। अचानक हुई इस घटना से पीछे आ रहे ट्रक चालक का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक डंपर से जा भिड़ा। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में ही फंस गया। हादसे की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाया और कड़ी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना पर शाहजहांपुर थाना पुलिस के एएसआई ओम प्रकाश भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय दुकानदारों और हाईवे पेट्रोलिंग टीम के सहयोग से घायल चालक सतवीर (निवासी कोटपूतली) को उपचार के लिए सोनी देवी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार चालक के पैर में फ्रैक्चर बताया गया है। हादसे के बाद क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात को सुचारू कराया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आचार्य तुलसी कैंसर संस्थान को महावीर इंटरनेशनल बीकाणा वीरा केंद्र ने भेंट किए विजिटर बेंच व कूलर

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । महावीर इंटरनेशनल बीकाणा वीरा केंद्र द्वारा आचार्य तुलसी क्षेत्रीय कैंसर चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र, पीबीएम चिकित्सालय को पाँच विजिटर बेंच एवं दो कूलर भेंट किए गए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पीबीएम चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया, कैंसर संस्थान की निदेशक डॉ. नीति शर्मा, डॉ. संगीता जैन सहित वीरा केंद्र की अध्यक्ष मनीषा बोथरा डागा, सचिव मिथिला भूरा, रीजन सेक्रेटरी संतोष बांठिया, जॉन अध्यक्ष टोडरमल चोपड़ा, वीर चंद्र कुमार राखेचा, वीरा चारू नाहटा, वीरा रेणु गुजरानी, नीलम दफ्तरी, सपना भूरा, सरिता दसानी, सरिता बोथरा, जया सेठिया, रजनी नाहटा, प्रियंका जैन, मंजू नौलखा सहित वीरा बहनों की उपस्थिति रही। वीरा केंद्र की अध्यक्ष मनीषा बोथरा डागा ने कहा कि संस्थान समाज सेवा के कार्यों में निरंतर अग्रणी भूमिका निभाती रही है और भविष्य में भी इस प्रकार का सहयोग जारी रहेगा। पीबीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया एवं कैंसर संस्थान की निदेशक डॉ. नीति शर्मा ने महावीर इंटरनेशनल बीकाणा वीरा केंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उपलब्ध कराए गए संसाधन कैंसर रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। इस सहयोग से अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। अंत में निदेशक डॉ. नीति शर्मा ने भेंट के लिए संस्था का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शाहजहांपुर थाने में सीएलजी बैठक: भाईचारे से होली मनाने और अवैध गतिविधियों पर सख्ती के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड के ग्राम शाहजहांपुर पुलिस थाने मे होली पर्व को आपसी भाईचारे, सामाजिक समन्वय और प्रेमभाव के साथ मनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को शाहजहांपुर पुलिस थाने में सीएलजी सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्योहार के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए नीमराना के एडिशनल एसपी सुरेश कुमार खींची ने कहा कि होली जैसे पर्व सामाजिक सद्भाव के प्रतीक हैं। इन्हें सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए समाज के प्रबुद्धजनों और आमजन को आगे आकर सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। डीएसपी चारुल गुप्ता ने उपस्थित सदस्यों से अपील की कि होली के दौरान नशे से दूर रहें तथा अवैध नशे की बिक्री करने वालों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बैठक में सीएलजी सदस्यों ने शाहजहांपुर कस्बे से गुजरने वाले भारी वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। साथ ही होली पर तेज रफ्तार बाइक चलाने वालों, तेज आवाज में डीजे बजाने वालों तथा शुष्क दिवस पर शराब ठेकों एवं अन्य स्थानों पर अवैध शराब बिक्री के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। थानाधिकारी प्रकिता सिंह ने सदस्यों से अपील की कि गुलाल की होली के स्थान पर फूलों की होली खेलने के लिए समाज में जागरूकता फैलाएं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी बचाव हो सके। बैठक में यादव समाज अध्यक्ष जगमाल सिंह, नाहर सिंह चौहान, प्रदीप गुप्ता, कमल यादव, लक्ष्मीकांत गुप्ता, जोनायचा कलां के पूर्व सरपंच रामकिशन शर्मा, डॉ. जलदीप पथिक (पूर्व उपनिदेशक आयुष विभाग), नीरज चौहान, रवि चौहान, सत्यप्रकाश गुप्ता, कृपा देवी सहित अन्य महिला सदस्य उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन ने सभी नागरिकों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से होली मनाने की अपील की है।

संभाग स्तरीय मरू बीकाणा वन मेला-2026 आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर संभाग की वन संपदा, पारंपरिक ज्ञान तथा वन आधारित आजीविका को सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा एक दिवसीय संभाग स्तरीय मरू बीकाणा वन मेला शुक्रवार को ग्रामीण हाट में आयोजित किया गया। आमजन में पर्यावरण एवं वन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के पंच गौरव कार्यक्रम के अन्तर्गत मरू वन मेले में वन सुरक्षा एवं प्रबन्धन समितियों स्वयं सहायता समूह, आजीविका समूह, वन विभाग द्वारा मरू क्षेत्र के वन एवं वनस्पति प्रजातियों जैसे खेजड़ी, रोहीड़ा, शीशम आदि के प्रचार-प्रसार व वन्यजीव संबंधी गतिविधियों से जुड़ी संभाग के बीकानेर, हनुमानगढ, श्रीगंगानगर एवं चूरू जिलों की लगभग 25 स्टॉल्स लगाई गई। तुंबा का अचार, मोरिंगा का पाउडर, गाय के गोबर से बने गौ काष्ठ के उत्पाद एवं फूलों से बनी हर्बल गुलाल आदि आकर्षण का केंद्र रहे। प्रो अनिल कुमार छंगाणी, प्रो प्रताप सिंह एवं डॉ श्याम सुन्दर ज्यानी ने वन एवं स्थानीय प्रजातियों की महत्ता बताते हुए वन व वन्य जीव संरक्षण संबंधी व्याख्यान दिए। श्री जी वेंकटेश, उप वन संरक्षक ने बताया इस मरू वन मेले का उद्देश्य वन सुरक्षा एवं प्रबन्धन समितियों, स्वयं सहायता समूह, राजीविका समूह द्वारा निर्मित वन उत्पादों के विक्रय, विपणन एवं प्रदर्शन को प्रोत्साहित करना, वन आजीविका पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए हरित और आत्मनिर्भर राजस्थान की दिशा में जनसहभागिता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभाग प्रभारी श्री उदय शंकर ,अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक जयपुर व विशिष्ट अतिथि श्री सोहन लाल , मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद रहे एवं अध्यक्षता श्री हनुमानाराम, संभागीय मुख्य वन संरक्षक ने की एवं कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ पूजा पंचारिया, सहायक वन संरक्षक बीकानेर ने किया।

आँवला एकादशी पर निर्गुण दरबार में फाग का रंग, श्याम भजनों से गूंजा दरबार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर की एकमात्र प्राचीन सिद्धपीठ निर्गुण मंदिर में फाल्गुन शुक्ल पक्ष की आँवला एकादशी के पावन अवसर पर भक्तिरस और रंगोत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला। निर्गुण दरबार में स्थित खाटू श्याम प्रतिमा के समक्ष दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित फागोत्सव में सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरा परिसर भजन, गुलाल और श्रद्धा की आस्था से सराबोर हो उठा। फाल्गुन माह में मंदिर प्रांगण में रंग-बिरंगे अबीर-गुलाल और फूलों की होली खेली गई। श्रद्धालु प्रभु श्याम के भजनों पर झूमते नजर आए। क्षेत्रीय भजन गायक विनोद सैनी ने सुमधुर प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि मौजूद भक्त भावविभोर हो उठे। भजनों की स्वर लहरियों के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया और मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा। निर्गुण दरबार के महंत शिष्य सरयूदास महाराज ने बताया कि फाल्गुन माह में आँवला एकादशी से फाग महोत्सव की विधिवत शुरुआत की गई है। यह आयोजन प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक नियमित रूप से चलेगा और धुलंडी पर्व तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन प्रभु भजनों की रसगंगा बहेगी और शहर सहित आसपास के गांवों से श्रद्धालु पहुंचकर आयोजन को भक्तिमय स्वरूप देंगे। उन्होंने बताया कि फाल्गुन का यह पावन पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सौहार्द और आध्यात्मिक एकता का संदेश देता है। खाटू श्याम के समक्ष खेली जा रही फूलों और गुलाल की होली समाज में भाईचारे और समरसता की भावना को प्रगाढ़ करती है। शुक्रवार को फागोत्सव के प्रथम दिन ही सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन की भव्यता को प्रमाणित कर दिया।

फाल्गुन की शुरुआत संग अबीर-गुलाल और फूलों की होली, धुलंडी तक रोज बहेगी भक्ति की रसधार

खबर का असर: सूखा कुआं भरवाया, टला बड़ा खतरा, अमृत भारत की चमक में अब सुरक्षा भी दुरुस्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । अमृत भारत योजना के तहत निखरे मंडावर-महवा रोड रेलवे स्टेशन परिसर में स्थित पुराना सूखा कुआं आखिरकार भरवा दिया गया। दैनिक भीम प्रज्ञा अखबार में इस संभावित खतरे को प्रमुखता से उजागर किए जाने के बाद स्थानीय रेलवे प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए कुएं को मिट्टी से पूरी तरह पाटकर समतल करवा दिया है। अब स्टेशन परिसर में आवारा पशुओं या किसी अनहोनी की आशंका समाप्त हो गई है। गौरतलब है कि स्टेशन परिसर में मौजूद सूखा कुआं लंबे समय से असुरक्षित स्थिति में था। उस पर डाला गया जर्जर लोहे का जाल बीच से टूटा हुआ था और कुएं व जाल के बीच इतना अंतर था कि उसमें से बंदर या श्वान जैसे जानवर गिर सकते थे। दिनभर स्टेशन परिसर में घूमते पशुओं को देखते हुए यहाँ आने जाने वाले लोगो व यात्रियो में चिंता बनी हुई थी कि कहीं कोई बड़ी दुर्घटना न हो जाए। उक्त मामला भीम प्रज्ञा समाचार पत्र मे प्रकाशित होने के बाद रेलवे प्रशासन हरकत में आया और बिना देर किए उक्त कुएं को स्थायी रूप से मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया। अब जहां पहले खतरे का कुआ था, वहां समतल जमीन नजर आ रही है। लोगो व यात्रियो का कहना है कि समय रहते यह कदम उठ जाना बड़ी राहत है, क्योंकि हादसे के बाद कार्रवाई से बेहतर है पहले ही सावधानी। स्थानीय लोगों ने माना कि अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन को आधुनिक रूप दिया गया है तो सुरक्षा भी उसी स्तर की होनी चाहिए। कुएं के भर जाने से अब विकास कार्यों पर लग रहा लापरवाही का दाग भी धुल गया है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी ऐसे मामलों में प्रशासन तत्परता दिखाएगा ताकि सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा के मानकों से कोई समझौता न हो। भीम प्रज्ञा में प्रकाशित खबर के प्रभाव से हुआ यह सुधार ग्रामीण पत्रकारिता की सकारात्मक भूमिका को भी रेखांकित करता है, जहां जनहित के मुद्दे उठाने से प्रशासनिक स्तर पर ठोस कार्रवाई संभव होती है।

मंडावर रेलवे स्टेशन परिसर में स्थित पुराना कुआं कभी भी बन सकता है बड़े हादसे की वजह

अमृत भारत की चमक में सुरक्षा की दरार–कुएं पर टूटा जाल, जिम्मेदारी पर सीधा सवाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । अमृत भारत योजना के तहत मंडावर-महवा रोड रेलवे स्टेशन को हाल ही में आधुनिक सौंदर्य और यात्री सुविधाओं से सुसज्जित कर नया रूप दिया गया है, पुराने भवन को आकर्षक और सुव्यवस्थित स्वरूप में बदला गया, पर इसी विकसित परिसर के बीच स्टेशन में मौजूद पुराना सूखा कुआं आज भी एक बड़े हादसे का स्थायी खतरा बनकर खड़ा है और स्थानीय रेलवे जिम्मेदारों की गंभीर लापरवाही को उजागर कर रहा है। इस कुएं को स्थायी रूप से बंद करने या पुख्ता ढकने के बजाय केवल अस्थायी और जर्जर जाल से ढककर औपचारिकता निभा दी गई है, जबकि जाल का सरिया बीच से टूटा हुआ है और कुएं व जाल के बीच इतना फासला है कि उसमें से आवारा बंदर और श्वान जैसे जानवर आसानी से गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं। स्टेशन परिसर में दिनभर घूमते जानवरों की मौजूदगी के बीच यह खुला खतरा किसी भी क्षण बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है, जिससे न केवल पशु बल्कि आमजन की सुरक्षा पर भी सीधा संकट खड़ा होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कुआं पूरी तरह सूखा पड़ा है, इसमें न तो पानी का कोई स्रोत है और न ही किसी प्रकार का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में इसे यूं ही असुरक्षित छोड़ना सार्वजनिक सुरक्षा के मानकों और प्रशासनिक दायित्वों के विपरीत है। अमृत भारत योजना के अंतर्गत विकसित किए गए स्टेशन परिसरों में यात्रियों और परिसर में आने-जाने वाले लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, वहीं रेलवे के निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुसार किसी भी खतरनाक ढांचे को स्थायी रूप से सुरक्षित करना प्रशासन की कानूनी जिम्मेदारी है, पर यहां अस्थायी और टूटा जाल इन मानकों की अनदेखी को साफ दर्शाता है। स्थानीय लोगों का सवाल यह है कि जब मंडावर महवा रोड रेल्वे स्टेशन को आधुनिक रूप देने में करोड़ों रुपये खर्च किए गये तो फिर इस बेकार पड़े सूखे कुएं को बंद कराने या पुख्ता कवर लगाकर सुरक्षित करने में कैसी बाधा थी। लोगों की मानना है कि रेलवे प्रशासन तत्काल प्रभाव से इस कुएं को या तो पूरी तरह बंद कराए या मजबूत स्थायी ढांचा बनवाकर ढकवाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका समाप्त हो और अमृत भारत योजना के नाम पर हुए विकास पर लापरवाही का दाग न लगे, क्योंकि यदि इस लापरवाही के चलते आगे कोई हादसा हुआ तो उसकी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी तय होना तय है। उक्त मामले को लेकर स्थानीय रेल्वे स्टेशन के स्टेशन मास्टर भगवान सहाय मीना से वार्ता करनी चाही तो उन्होंने कोई संतुष्टिपूर्वक जवाब नही दिया और फोन काट दिया।

इनका कहना है

'मेरे संज्ञान में यह विषय अभी नहीं है। यदि स्टेशन परिसर में स्थित कुएं पर सुरक्षा जाल टूटा हुआ है या कोई खतरा बना हुआ है तो मौके की जांच कराकर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे।'

मनोज चौहान, आईओडब्ल्यू, स्थानीय रेलवे प्रशासन

आईजीयू मीरपुर में आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में शांति देवी लॉ कॉलेज की छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भांडोरिया । इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर में आयोजित दो दिवसीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में शांति देवी लॉ कॉलेज की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कॉलेज की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, विधिक ज्ञान और प्रभावशाली प्रस्तुति का परिचय दिया। शांति देवी लॉ कॉलेज की छात्राओं कविता, अंजली यादव एवं सोनिया ने प्रतियोगिता में भाग लेते हुए उत्कृष्ट तर्कशक्ति, आत्मविश्वास एवं विषय की गहन समझ का प्रदर्शन किया और द्वितीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज को गौरव प्रदान किया। इस उपलब्धि पर कॉलेज की चेयरपर्सन शकुंतला यादव ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि हमारी बेटियों ने जिस आत्मविश्वास और विधिक दक्षता के साथ मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लिया, वह अत्यंत सराहनीय है। यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

भारतीय टीम को टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में जगह बनाने वेस्टडंडीज पर दर्ज करनी होगी बड़ी जीत

-अन्य परिणामों पर भी नजर रखनी होगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम की जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंच गयी। इस प्रकार इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सहित दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। वहीं अब बचे हुए दो स्थानों के लिए भारत सहित चार टीमें वेस्टइंडीज,न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला है।

भारतीय टीम को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सुपर-8 के अपने अंतिम मुकाबले में वेस्टइंडीज से 1 मार्च को बड़े अंतर से जीतना है। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

वहीं एक अन्य दावेदार न्यूजीलैंड ने 2 मैचों में से एक में जीत हासिल की है। न्यूजीलैंड को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में 27 फरवरी को इंग्लैंड से खेलना है। कीवी टीम अगर इंग्लैंड को हरा देती है तो उसे अंतिम ग्यारह में प्रवेश मिल जाएगा पर अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड से हार जाती है, तो टीम के लिए संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। न्यूजीलैंड के लिए केवल सकारात्मक बात ये है कि अभी टीम का नेट रन रेट प्लस 3.050 से काफी बेहतर है।

वहीं पाकिस्तान को 28 फरवरी को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंका से खेलना है। दो मैचों के बाद पाकिस्तान के पास अभी केवल एक अंक है। ऐसे में पाक अगर श्रीलंका को हरा देती है, तो टीम के कुल तीन अंक हो जाएंगे। वहीं पाक को यह भी प्रार्थना करनी होगी कि इंग्लैंड टीम न्यूजीलैंड को हरा दे। अगर पाक टीम श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहती है और न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ता है तो ऐसी हालत में अच्छे नेट रन रेट वाली टीम को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा।

रिंकू सिंह के पिता का निधन, लिवर कैंसर से पीड़ित थे, बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों ने शोक जताया

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का आज तड़के निधन हो गया। वह 60 साल के थे और पिछले काफी समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। उसके पिता को गंभीर हालात में ग्रेटर ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था पर उन्हें बचाया नहीं जा सका।

लिवर कैंसर फोर्थ स्टेज में पहुंचने के बाद से ही उनकी हालात खराब चल रही थी। इसी कारण रिंकू भी विश्वकप के बीच ही आचानक अस्पताल पहुंचे थे। वह पिछले कुछ समय से गंभीर हालात में होने के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गये थे। डॉक्टरों ने उन्हें स्थिर करने की कोशिश की थी और लगातार किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी चल रही थी। मगर उनकी हालत संभल नहीं पायी। पिता के निधन के बाद से ही रिंकू के परिवार में मातम छाया हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी रिंकू के पिता के निधन पर शोक जताया है। शुक्ला ने लिखा, क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता श्री खानचंद सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू और उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोककुल परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने भी रिंकू के परिवार के प्रति संवेदना जतायी है। रिंकू गत दिवस जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे। रिंकू अपने पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। इसके बाद वह तुरंत चेन्नई लौट आए पर टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया था।

हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार की वजह बताई

होबार्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल नवंबर में विश्व चैंपियन बनने के बाद यह भारतीय टीम की पहली 50 ओवर की श्रृंखला है। भारत ने टी20 अंतराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर शानदार शुरुआत की। लेकिन रविवार को एक मैच बाकी रहते पहले दो वनडे गंवा दिए।

दोनों टीमें सभी प्रारूप की सीरीज खेल रही हैं जिसका फैसला अंक के आधार पर होगा। वनडे श्रृंखला के बाद एक टेस्ट भी खेला जाएगा। दूसरे वनडे में मिली पांच विकेट की हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा, %हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। एक समूह के तौर पर हमने तय किया कि पहले बल्लेबाजी करते हैं और 300 से ज्यादा का स्कोर बनाएंगे क्योंकि पिच पिछले मैच की पिच से कहीं बेहतर थी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या लक्ष्य का पीछा करते हुए, हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी क्योंकि जब भी हम अच्छी बल्लेबाजी करे हैं, हम अच्छी स्थिति में होते हैं। पिछले दो मैच में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की और इसका हमें नुकसान हुआ। उम्मीद है कि अगले मैच में हम ऐसा करेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली संन्यास लेने से पहले रविवार को अपना आखिरी मैच खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं परिणाम से बहुत खुश हूं। यह उन मैच में से एक था जहां मुझे लगा कि वे अच्छा स्कोर बनाने से बहुत पीछे रह गए, लेकिन साथ ही यह हमारे लिए हताशाजनक भी था क्योंकि मुझे लगा कि हम उन्हें थोड़ा और पहले आउट कर सकते थे। लेकिन इस तरह के विकेट पर उन्हें 250 रन पर रोकना हमारी टीम की एक शानदार कोशिश थी।'

जॉर्जिया, लिचफील्ड की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

-सीरीज 2-0 से जीती

होबार्ट (एजेंसी)। जॉर्जिया वोल के शतक 101 रन और फीबी लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल के अर्धशतक से भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 251 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 36.1 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज मेजबान टीम ने 2-0 से जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहना एकदिवसीय भी जीता था।

इस दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका के अर्धशतक से 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 गेंदों में छह चौके लगाकर 52 रन बनाये। प्रतीका ने स्मृति मंधाना 31 के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन बनाये। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में टीम 50 ओवरों में 251 रनों के अच्छे स्कोर तक पहुंच पायी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया के 101 और लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से तय ओवरों से पहले ही मैच जैच लिया। इस प्रकार

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहं रही और उसने कप्तान एलिसा हीली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। हीली ने केवल 6 रन बनाये। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन बनाकर जॉर्जिया और लिचफील्ड ने अपनी टीम को संभाला। भारत की ओर से भारत की ओर से काशवी गौतम ने 47 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि दीप्ति शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट लिए।

एशले गार्डनर ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग, भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु हरने जा रही है। इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूबीपीएल) रखा गया है। इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे। ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा। बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है। ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके साथ ही इससे नई प्रतिभाएं भी सामने आयेंगी। बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग काउंसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है। हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं। उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है। डब्लयूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी मॉडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे। टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था। उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

अभिषेक के फार्म हासिल करने पर युवराज ने खुशी जतायी, बोले बल्ले से ही आता है असली जवाब

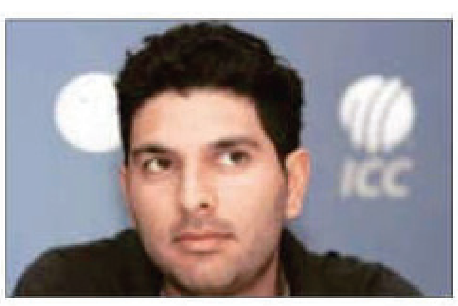

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह टी20 विश्वकप में अपने शिष्य अभिषेक शर्मा की शानदार पारी से बेहद खुश हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में पहली बार अच्छी पारी खेलने में सफल रहे हैं। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-आठ में 55 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं शुरुआती तीन लीग स्तर के मैचों में वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे जबकि सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 रन ही बना पाये थे। ऐसे में वह प्रशंसकों के निशाने पर थे। वहीं अब अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शर्मा ने 30 गेंद में 55 रन बनाकर लय हासिल की है। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 4 छक्के भी जड़े। सेमीफाइनल से ठीक पहले अभिषेक के फार्म में आने से उनके गुरु युवराज बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, अच्छी पारी सर अभिषेक, जारी रखो। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ संभलकर खेला पर अवसर मिलते हुए बड़े शॉट भी लगा दिये। इस बल्लेबाज ने हर गेंद पर बड़े शॉट लगाने की जगह पर स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया जिससे भी उन्हें लाभ हुआ। इसी को देखते हुए युवराज ने लिखा, असली जवाब तब होता है जब आप अपने बल्ले को ही सारी बात करने देते हैं। अच्छी पारी, सर अभिषेक। ऐसे ही लगे रहिए।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे: तिलक

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे।

तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।तिलक ने कहा कि पिछले मैचों के वीडियो देखने और कोच की बातों से बल्लेबाजों के अंदर उत्साह पैदा। उन्होंने कहा, अहमदाबाद और दिल्ली दोनों की पिचें अच्छी थीं पर इस खेल में मानसिकता भी अहम भूमिका निभाती है। पहले हमारी मानसिकता यह थी कि विकेट गिरने के बाद हम बड़े शॉट खेलने के लिए थोड़ा समय देते थे पर इस मैच में अहम अगल रणनीति से उतरे। इससे पूरा दबाव विरोधी टीम पर आ गया।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

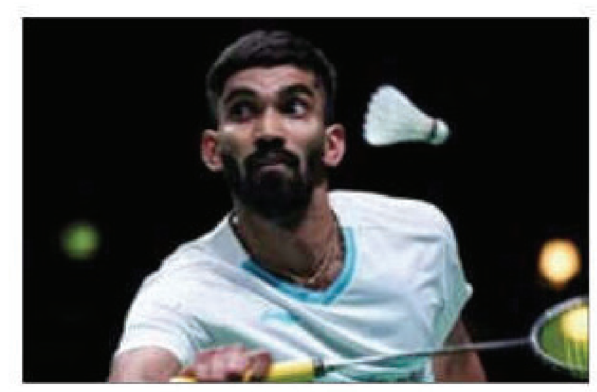

मुल्हेम एन डेर रूहर। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ़ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया। इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था। बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

सेंटनर जैसा कप्तान होना हमारे लिए फायदेमंद : रचिन रविंद्र

कोलंबो । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को मजबूती का अनुभव कराते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। रचिन के अनुसार सैंटनर किसी भी परेशानी में टीम के बचाव में उतरते हैं और अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित अनुभव कराते हैं। रविंद्र ने कहा, सैंटनर काफी शांत स्वभाव के हैं पर इसके साथ ही उनका सोचने का अंदाज भी काफी सुलझा हुआ है, जैसे कि किस छोर से कैसी गेंद की जानी चाहिये। इससे भी अहम बात ये है कि वह अच्छा प्रदर्शन करके आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। वह हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़े रहते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं। मेरा मानना है कि उनके जैसा कप्तान मिलना टीम के लिए काफी फायदेमंद है। उनके नेतृत्व में मैदान पर उतरते ही आपको ऐसा अहसास होता है जैसे आप काफी सशक्त । टीम में उनकी मौजूदगी से ही खिलाड़ी प्रेरित रहते हैं। यह केवल खिलाड़ियों को प्रेरित करने तक सीमित नहीं है। उपमहाद्वीप की पिचों पर गेंदबाजी करने का सैंटनर का अनुभव भी उन्हें विशेष बनाता है। वह अपनी स्पिनरों की हर प्रकार से सहाता करते हैं। इसीक कारण आज हमारे पास उनकी तरह के कई गेंदबाज हैं। वह हमें बताते हैं कि कैसी गेंदबाजी करनी है। इससे उभारते हुए खिलाड़ियों को काफी लाभ होता है।

टी20 विश्व कप : जिम्बाब्वे पर जीत से सूर्यकुमार खुश, लेकिन इस विभाग में सुधार की बात की

चेन्नई (एजेंसी)। बल्ले से थोड़ी देर के लिए कुछ खास करने के बाद, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पूरी टीम से बहुत खुश थे, जिन्होंने सबसे जरूरी मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया, क्योंकि पिछली चैंपियन टीम ने कल रात यहां जरूरी मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया।

भारतीय कप्तान ने बाएं हाथ के अभिषेक शर्मा की जबरदस्त हाफ सेंचुरी से शो जीत लिया, जिन्होंने तीन बार डक के बाद अपनी बड़ी हिटिंग स्किल में वापसी का इशारा दिया, और प्लेयर ऑफ द मैच हार्दिक पांड्या ने जिम्बाब्वे के अटैक का जमकर मजा लिया, जिससे भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा टोटल और टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। बाद में गेंदबाजों ने भी बैट्समैन के अच्छे काम में अपनी भूमिका निभाई और जिम्बाब्वे को 6 विकेट पर 184 रन पर रोक दिया, जिससे भारत ने 72 रन के बड़े अंतर से जीत हासिल की और सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं।

भारत को अपने पहले सुपर आठ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। भारत का अगला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ मशहूर ईडन गार्डन में एक तरह से क्वार्टरफाइनल नॉकआउट होगा, जिसमें जीतने वाला लास्ट फोर ग्रेड में पहुंच जाएगा। मैच के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा कि सभी बल्लेबाजों का योगदान देखकर खुशी हुई, उन्होंने सब कुछ पीछे छोड़ दिया (प्रोटियाज़ के खिलाफ हार)। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकती थी, लेकिन स्काई ने कहा, 'जीत तो जीत होती है और कैरिबियन के खिलाफ नॉक आउट मुकाबले से पहले शिकंजा कसने की अहमियत के बारे में बात की।'

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को भी पूरा क्रेडिट देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत स्मार्ट बैटिंग की, जिसमें ओपनर ब्रायन बेनेट 97 (834, 636) रन पर नाबाद रहे और एक ऐसे टारगेट का पीछा करते हुए अकेले ही आगे बढ़े जो नामुमकिन साबित हुआ। स्काई ने कहा, 'हम सब कुछ पीछे छोड़ना चाहते थे, पिछला गेम, ग्रुप स्टेज। सभी बैट्समैन का योगदान था और यह देखकर खुशी हुई।हम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकते थे लेकिन जीत तो जीत होती है। हमें वेस्ट इंडीज मैच से पहले अपना शिकंजा कसने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'मैं जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों से कोई क्रेडिट नहीं लेना चाहता। जिस तरह से उन्होंने बैटिंग की, वह बहुत स्मार्ट थी। बॉलिंग के नजरिए से, हम और बेहतर हो सकते थे। जब हम ऐसे हालात में होते हैं, तो हमें हिम्मत दिखानी होती है। जब हम कोलकाता पहुंचेंगे तो हम प्लान के बारे में सोचेंगे।'

संगकारा ने श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव की जरुरत बतायी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगकार ने अपनी मेजबानी में हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराशा जतायी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये हमारे क्रिकेट भविष्य को लेकर एक चेतावनी भी है, अगर हम अभी नहीं संभले तो इसी प्रकार पिछड़ते जाएंगे। इसलिए अब हमें बड़े बदलाव की जरुरत है। संगकारा ने कहा, इस प्रकार बाहर होने सो हर तरफ बहुत दर्द है। प्रशंसक टूट चुके हैं, निराश और गुस्से में हैं। खिलाड़ी भी बेहद आहत हैं। मैं ऐसे ड्रेसिंग रूम में रहा हूं, यह आसान नहीं होता। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना एक जिम्मेदारी भी है और सौभाग्य भी। संगकारा ने खिलाड़ियों के जज्बे को समझते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन इससे उबरने के लिए बदलाव जरूरी है। संगकारा ने कहा कि इस हार से हमें सबके लेते हुए खेल ढ़ांच में बदलाव करना होगा। साथ ही कहा, हर स्तर पर हमें काफी कुछ करने की जरुरत है। हम एक जैसी गलतियां दोहराते रहेंगे तो बेहतर परिणामों की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अधुनिक क्रिकेट तेजी से बदल रहा है और हमें उसके अनुरुप ढ़लना होगा। अगर हमने अपने को नहीं बदला तो हम बाहर हो जाएंगे।

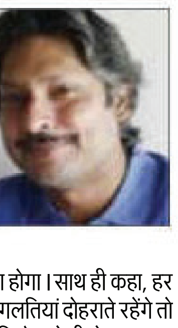

मृणाल ठाकुर के एक्स बॉयफ्रेंड को थी इन एक्टर्स से इनसिक्योरिटी

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी यूट्यूब पर रौनक रजनी के शो में अपनी आने वाली फिल्म दो दिवाने सहर में के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस बीच मृणाल ने शेयर किया कि उनका एक्स-बॉयफ्रेंड उनके को-एक्टर्स को लेकर कितना इनसिक्योर था।

इनसिक्योरिटी पर बोलीं मृणाल

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर से जब पूछा गया कि क्या वे खुद को एक इनसिक्योर मानती हैं या नहीं। तब, उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी उन्हें इनसिक्योरिटी होती है और इसके लिए उन्होंने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड से जुड़ी एक कहानी शेयर की। मृणाल ने कहा, 'करियर के शुरुआती दिनों में, मैं ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और शाहिद कपूर के साथ 'जर्सी' की शूटिंग कर रही थी। जो मेरा बॉयफ्रेंड था, उसे लगता था कि मैं अच्छे दिखने वाले एक्टर्स के साथ शूटिंग कर रही हूं और घूम रही हूं। इस वजह से उसे इनसिक्योरिटी होने लगी। उसने वर्कआउट करना शुरू कर दिया और 15-17 किलो वजन घटाकर मसल्स बनाए। लेकिन कुछ दिनों बाद, उसने वर्कआउट बंद कर दिया। फिर खाकर 20 किलो बढ़ा लिया। मेरे बॉयफ्रेंड ने कहा कि मैं थक गया हूं तुम्हारे एक्टर्स की बराबरी करने की वजह से। लेकिन असल में मैंने कभी उससे वजन घटाने को नहीं कहा। यह उसकी इनसिक्योरिटी थी, इससे मेरा कुछ लेना-देना नहीं था।

इस फिल्म में नजर आएंगी एक्ट्रेस

मृणाल ठाकुर जल्द ही 'दो दीवाने सहर में' नजर आने वाली हैं। यह एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें वे सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। रवि उदयवार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके निर्माता संजय लीला भंसाली हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने की अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है।

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 आतंकी हमला हुआ था इसके बाद भारतीय सेना की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। वहीं, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया।

विवेक अग्निहोत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने संबंधी रिपोर्ट्स की पुष्टि करने या खारिज करने से मना करते हुए कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं बता रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि मैं एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं और मैं अपने समय पर इसका एलान करूंगा। यह बहुत बड़ा और बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट है।

अफवाहों को न खारिज किया, न ही पुष्टि की

पिंकविला के मुताबिक, प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि निर्देशक ने अपने जिस अगले प्रोजेक्ट की बात की है, क्या वह इसी मुद्दे पर है या किसी और विषय पर फिल्म बना रहे हैं।

'नागिन 7' में अपनी डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका चाहर चौधरी

प्रियंका चाहर चौधरी निर्माता एकता कपूर के सीरियल 'नागिन 7' में मुख्य भूमिका में टीवी पर वापस आई हैं। शुरू में लोगों ने उनकी एक्टिंग और 'नागिन' के लुक की काफी तारीफ की थी। लेकिन हाल ही में शो का एक सीन वायरल हुआ है, जिसमें प्रियंका के डायलॉग डिलीवरी पर नेटिजन्स सवाल उठा रहे हैं।

डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका

'नागिन 7' में एक सीन में प्रियंका चाहर चौधरी 'नागिन' के रूप में एक भ्रष्ट पुलिस वाले को पीटते हुए उसकी गलतियां गिनाती हैं। यह एक लंबा संवाद वाला सीन है। इस सीन को देखने के बाद कई दर्शक निराश हो गए और सोशल मीडिया पर प्रियंका की डायलॉग बोलने की स्टाइल की कड़ी आलोचना कर रहे हैं।

'अक्यूज्ड' के ट्रेलर में दिखा प्रतिभा रांटा का दमदार अंदाज

इस महीने की शुरुआत में नेटफ्लिक्स ने इस साल आने वाले अपने प्रोजेक्ट्स की घोषणा की थी। इसमें एक नाम शामिल था नेटफ्लिक्स की फिल्म 'अक्यूज्ड' का। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर इस फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है।

'अक्यूज्ड' पोलैंड में सेट सस्पेंस ड्रामा है। कहानी के केंद्र में हैं डॉ. गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा), जो एक जाने-माने हॉस्पिटल में सबसे कम उम्र की हेड ऑफ डिपार्टमेंट के तौर पर काम कर रही हैं। डॉ. गीतिका एक मशहूर एलजीबीटीक्यू गायनेकोलॉजिस्ट हैं। वह डीन बनने की तैयारी कर रही हैं। गीतिका अपनी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) के साथ मिलकर एक बच्चे को एडॉप्ट करने की प्लानिंग करती हैं। लेकिन तभी सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाता है। डॉ. गीतिका पर यौन दुराचार के गंभीर आरोप लगते हैं। उन्हें काफी कुछ कहा जाता है। इससे डॉ. गीतिका की जिंदगी और करियर, दोनों में भूचाल आ जाता है। जनता और अधिकारियों का शक बढ़ता है और सच्चाई धुंधली होती जाती है। इसके पीछे कौन है और क्या वजह है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा। इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म को अनुराग कश्यप की बहन अनुभूति कश्यप ने डायरेक्ट किया है। वो इससे पहले आयुष्मान खुराना की 'डॉक्टर जी' का भी निर्देशन कर चुकी हैं। वहीं करण जौहर के डिजिटल प्रोडक्शन हाउस धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया गया है। फिल्म की कहानी भी अनुभूति कश्यप ने ही लिखी है। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा के अलावा आदित्य नंदा और सुकांत गोयल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'अक्यूज्ड' 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

मैं कभी बॉलीवुड नहीं छोड़ना चाहती थी

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दुनियाभर में मशहूर हैं। उन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में काम किया है और अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। अपने करियर के पीक समय में उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया था और हॉलीवुड का रुख किया था। लेकिन अब प्रियंका चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वे कभी बॉलीवुड छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें हिंदी सिनेमा से बाहर मौके तलाशने के लिए 'पुश' किया।' बॉलीवुड से हॉलीवुड तक के अपने सफर पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने खुलकर अपनी दिल की बात शेयर की। प्रियंका ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी बॉलीवुड छोड़ना चाहती थी। लेकिन जब मैं हिंदी फिल्मों में काम कर रही थी, तो कई वजहों से खुद को थोड़ा सीमित महसूस करती थी। मैं अपने काम का दायरा बढ़ाना चाहती थी। एक कलाकार के तौर पर मैं कुछ नया और रोमांचक करना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे दूसरे मौके तलाशने के लिए प्रेरित किया।' उन्होंने आगे कहा, 'इसी तलाश ने मुझे अमेरिका पहुंचाया। अब करीब 12 साल बाद मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उस मुकाम पर हूं, जहां मैं अपने मनपसंद और बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुन सकती हूं। लेकिन यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था।'

मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे मेरी इंडियन फिल्मों से प्यार है। मैं बहुत खुश हूं कि वापस भारत में आकर वाराणसी फिल्म के लिए काम कर रही हूं। मैं कभी भी इन दोनों में से किसी एक को चुनना नहीं चाहूंगी। मैंने कभी ऐसा किया भी नहीं। मुझे लगता है कि मैं दोनों इंडस्ट्री के बीच संतुलन बनाकर चलती हूं और मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है। दोनों जगह काम करने का तरीका कई मायनों में अलग है, ठीक वैसे ही जैसे उनकी संस्कृतियां अलग होती हैं। लेकिन अब मेरा दिमाग दोनों तरीकों से सोचने का आदी हो चुका है। यह अपने आप में एक अनोखा, शानदार और मजेदार अनुभव है।'

अस्सी की कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से प्रेरित है

अनुभव सिन्हा की 'अस्सी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। देश में होने वाली दुष्कर्म की घटनाओं पर आधारित यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चाओं में हैं। हालांकि, जब इस फिल्म की घोषणा हुई थी, तो लोगों को लगा था कि अनुभव सिन्हा अपने गृहनगर वाराणसी के अस्सी घाट की कहानी लेकर आ रहे हैं। लेकिन जल्द ही पता चल गया कि कहानी एक संवेदनशील और जरूरी मुद्दे पर आधारित है। फिल्म को लेकर निर्देशक का कहना है कि कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से ही प्रेरित है।

लोगों को अब अपराध की गंभीरता से फर्क नहीं पड़ता

बातचीत में अनुभव सिन्हा ने फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि हमारे चारों ओर सूचनाओं की भरमार के कारण, दर्शकों को किसी अपराध की गंभीरता का एहसास कराना कठिन होता जा रहा है। फिर चाहे वह बलात्कार जैसा जघन्य अपराध ही क्यों न हो। अब यह उतना मायने नहीं रखता कि आपकी आंखों के सामने क्या है, बल्कि यह मायने रखता है कि क्या आकर्षक है। आप उससे विचलित हो जाते हैं। इसलिए यह कोई गपशप या सनसनीखेज कहानी हो सकती है, क्योंकि यह अब सनसनीखेज नहीं रह गई है।

बॉक्स ऑफिस नंबर्स गपशप का विषय

बॉक्स ऑफिस नंबर्स और क्रिटिक्स की रेटिंग को लेकर निर्देशक का कहना है कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और समीक्षाओं में स्टार रेटिंग जैसी मामूली बातें भी चर्चा को एक संख्या तक सीमित कर देती हैं। जबकि असल मुद्दा चिंता का विषय होना चाहिए। ये आंकड़े गपशप का अच्छा जरिया हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे समझ रहे होंगे। उन्हें यह समझ नहीं आता कि दुनिया भर में कुल कमाई, भारत में कुल कमाई और भारत में शुद्ध कमाई क्या होती है। उन्हें यह नहीं पता कि निर्माता को बताई गई रकम का 50% से भी कम मिलता है। 400 करोड़ रुपये, 700 करोड़ रुपये और 800 करोड़ रुपये जैसे आंकड़े तो बहुत ही महत्वाकांक्षी लगते हैं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक इन आंकड़ों को गंभीरता से नहीं लेंगे। अगर मैं कर सकता तो मैं अपने आंकड़े घोषित नहीं करता, चाहे वे कितने भी अच्छे या बुरे क्यों न हों। लेकिन मैं इसे नहीं रोक सकता।

कोर्टरूम के अंदर के माहौल से असल में हुआ वाकिफ

कोर्टरूम को लेकर अनुभव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मेरी दो वरिष्ठ महिला वकील दोस्त हैं। हमने उन्हें कहानी सुनाई। उन्होंने कहा, 'आप लोग इतनी गंदी कोर्ट शूटिंग करते हो। आपने कभी कोर्ट देखी है?' मैंने कहा, 'जी हां, सुप्रीम कोर्ट।' तो उन्होंने कहा, 'इसीलिए! आपने वो शांत, परिष्कृत कोर्टरूम देखा है जहां हर कोई चुपचाप सुनता रहता है। लेकिन फिल्म का मामला उस कोर्ट में नहीं जाएगा। अगले ही दिन मैंने नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट का दौरा किया और वहां का नजारा देखकर दंग रह गया। मुझे एहसास हुआ कि मैंने फिल्म 'मुल्क' के कोर्टरूम सीन गलत तरीके से फिल्माए थे। यह कोर्टरूम बहुत भीड़भाड़ वाला और अव्यवस्थित है। मुझे कोर्टरूम की यह शीतलता बहुत पसंद आई। कोर्टरूम अपने काम में इतना मशगूल रहता है जबकि आपका जीवन इस पर निर्भर करता है।

छोटे शहरों में भी देखी जाती हैं 'अस्सी' जैसी फिल्में

अनुभव सिन्हा का मानना है कि वो इस धारणा को तोड़ देंगे कि 'अस्सी' जैसी फिल्में जनता के लिए नहीं होती हैं। उन्होंने अपने जमीनी स्तर के अभियान 'चल सिनेमा चलें' के तहत भारत के 40 दूसरे दर्जे के शहरों का दौरा किया है। उनका कहना है कि यह एक गलत धारणा है। उन्होंने कहा कि अब मैं कह सकता हूं कि दूसरे दर्जे के शहरों में इस तरह की फिल्में नहीं देखी जातीं। वे सिर्फ जवान या कांतारा जैसी फिल्में देखते हैं। बेशक उन्हें वो फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं। लेकिन इन फिल्मों में भी उनकी काफी दिलचस्पी है। दिक्कत ये थी कि हम उन्हें सही तरीके से फिल्म नहीं दिखा पा रहे थे। इसलिए इस बार मेरा पूरा अभियान घर-घर जाकर प्रचार करने पर केंद्रित है। पिछले दो महीनों से हम छोटे शहरों में फिल्म का प्रचार कर रहे हैं।

1000 करोड़ का ठग दुबई से गिरफ्तार : ईडी नसीम को लखनऊ लाएगी

लखनऊ (एजेंसी)। शाइन सिटी समूह के प्रमोटर और करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित ठगी के मुख्य आरोपी राशिद नसीम को दुबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भारतीय एजेंसियों के अनुरोध पर की गई। अब प्रर्वतन निदेशलय (ईडी) की टीम नसीम को दुबई से लखनऊ लाने की तैयारी में है। लगभग 10 महीने पहले लखनऊ की विशेष अदालत ने राशिद को भगौड़ा घोषित किया था। राशिद नसीम और उसकी कंपनियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में करीब 554 एफआईआर दर्ज हैं। आरोप है कि निवेश के नाम पर लोगों से 800 से 1000 करोड़ रुपये तक की ठगी की गई। निवेशकों को ऊंचे और आकर्षक रिटर्न का लालच दिया गया, लेकिन 2019 में राशिद देश छोड़कर दुबई फरार हो गया। दुबई पुलिस ने ईडी और ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर नसीम को गिरफ्तार किया। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय एजेंसियों के समन्वय से उसकी लोकेशन ट्रेस की गई थी। सरकारी एजेंसियां पहले ही राशिद और उससे जुड़ी कंपनियों की सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कर चुकी हैं। 2021 में सामने आए ऑडियो में राशिद ने दावा किया था कि सरकार उसकी करीब 500 करोड़ रुपये की संपत्ति कब्जे में ले चुकी है, जिसकी मौजूदा कीमत करीब 1000 करोड़ रुपये बताई जाती है। उसी ऑडियो में करीब 300 करोड़ रुपये किसानों और ब्रोकरों के बीच फंसे होने की बात कही गई थी। जमीन सौदों में विवाद और कुछ दलालों के फरार होने से कंपनी कानूनी उलझनों में घिरी रही। हालांकि जांच एजेंसियां इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि कर रही हैं। राशिद और उसके भाई आसिफ पर गृह विभाग ने 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पहले यह इनाम 50-50 हजार रुपये था। कंपनी से जुड़े पांच अन्य आरोपियों पर भी एक-एक लाख रुपये का इनाम रखा गया है। आसिफ को पहले ही प्रयागराज से गिरफ्तार किया जा चुका है। कोर्ट के आदेश पर ईओडब्ल्यू और ईडी जांच आगे बढ़ा रहे हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि राशिद दुबई में बैठकर पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। 2018 में नेपाल में गिरफ्तारी और जमानत के बाद वह दुबई पहुंचा था। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद बड़े वित्तीय नेटवर्क और ठगी की रकम विदेश भेजने के चैनलों का खुलासा होने की उम्मीद है।

केजरीवाल को मिली राहत, तेजस्वी ने कहा... दिल्ली में फिर से चुनाव कराए जाएं

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली जाने से पहले तेजस्वी ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजीरवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कथित शराब नीति मामले में कोर्ट से राहत मिलने पर प्रतिक्रिया दी। तेजस्वी ने कहा कि, 'इस फैसले से बीजेपी का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है। यह साफ हो गया है कि किस तरह विपक्षी नेताओं पर राजनीतिक दुर्भावना से मुकदमे होते हैं।' तेजस्वी ने आरोप लगाया कि, 'केंद्र संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग अपने चुनावी फायदे के लिए कर रही है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने के लिए हो रहा है।' उन्होंने मांग किया है कि दिल्ली में फिर से चुनाव कराए जाएं। तेजस्वी ने कहा कि, 'सिर्फ केजरीवाल ही नहीं, बल्कि पिता लालू यादव और राहुल गांधी के खिलाफ भी राजनीतिक साजिश के तहत कार्रवाई की गई। उन्होंने भरोसा जताया कि वे और उनकी पार्टी भी कानूनी लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि न्यायपालिका से उन्हें भी इंसाफ मिलेगा। उन्होंने कहा कि, 'लोकतंत्र में न्यायपालिका पर जनता का विश्वास सबसे बड़ा सहारा है और सच की जीत तय है।'

माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई की गोली मारकर हत्या... बाइक सवार हमलावार फरार

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या की गई। वारदात शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे हुई, जब वहां कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। तभी दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उससे पहले ही पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने शोयब को मृत घोषित किया। वारदात लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील किया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटाया है। बॉबी पर हत्या, रंगदारी और गैंगवार से जुड़े 12 मुकदमे दर्ज थे। सूत्रों के मुताबिक, मुख्तार की मौत के बाद गैंग के भीतर वर्चस्व की लड़ाई और आपसी रंजिश चल रही थी। शोएब वकील भी था। करीब 15 साल से कचहरी में वकालत कर रहा था। हत्या के विरोध में वकीलों ने पहले जिला अस्पताल में हंगामा किया। काफी देर तक जिला अस्पताल में हंगामा करने के बाद वकीलों ने बस अड्?डे के सामने सड़क पर जाम लगा दिया।

चंडीगढ़ में स्कूलों और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शहर में कई शिक्षण संस्थानों और पंजाब सचिवालय को बम धमाके की धमकी देने वाले ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी में अगले दो दिनों में बम फोड़ने की चेतावनी दी गई थी। ईमेल में प्रमुख निशाना बनाए गए स्कूल थे डीपीएस स्कूल, संत कबीर स्कूल और विवेक हाई स्कूल सेक्टर-38। धमकी मिलते ही स्कूलों के प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। स्कूल परिसरों को खाली कराया गया और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। पुलिस की साइबर सेल ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हुई है। सचिवालय परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने वालों की सख्ती से जांच की जा रही है। पुलिस ने आम नागरिकों और अभिभावकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध सूचना की तुरंत पुलिस को सूचना दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। करीब एक महीने पहले भी शहर के लगभग 30 स्कूलों को इसी तरह धमकी ईमेल प्राप्त हुई थी।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव अचानक पहुंचे नई दिल्ली, पीयूष गोयल के साथ की लंच मीटिंग

-बैठक का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक टैरिफ के फैसले को अमान्य घोषित किए जाने के कुछ ही दिनों बाद, अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने नई दिल्ली का अचानक दौरा किया। गुरुवार को उन्होंने भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ लंच पर मीटिंग की। इस बैठक का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और मंत्री पीयूष गोयल दोनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की पुष्टि की। सर्जियो गोर ने तीनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- हॉवर्ड लुटनिक और पीयूष गोयल के साथ एक बेहद शानदार लंच। हमारे दोनों राष्ट्रों के लिए सहयोग के ढेरों क्षेत्र मौजूद हैं। पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने व्यापार और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने के लिए बहुत ही फलदायी चर्चा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

आधिकारिक मुलाकात के बाद लुटनिक जोधपुर के लिए रवाना हो गए। सूत्रों के मुताबिक वे वहां टेक एग्जीक्यूटिव निकेश अरोड़ा की बेटी आयशा अरोड़ा और आइस हॉकी स्टार जैक ह्यूजेस की शादी में शामिल होने गए हैं। यह बैठक भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के लिहाज से एक बेहद नाजुक समय पर हुई है। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करके लगाए गए राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत की पूरी समय-सीमा को बदल कर रख दिया है।

संवैधानिक मामलों के विशेषज्ञ के मुताबिक टैरिफ पर भारत-अमेरिका की कोई भी द्विपक्षीय व्यवस्था अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई संवैधानिक सीमाओं के भीतर ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरों पर सहमत होने का कार्यपालिका का अधिकार निरंकुश नहीं है, यह न्यायिक रूप से लागू करने योग्य संवैधानिक सीमाओं के अधीन है। कोई भी टैरिफ प्रतिबद्धता जो वैधानिक शक्तियों को पार करती है या संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करती है, वह कानूनी रूप से टिक नहीं पाएगी और उसे रद्द किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी संवैधानिक ढांचे के तहत, टैरिफ तय करने का अधिकार कांग्रेस के पास है, न कि कार्यपालिका के पास।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर, पन्नीरसेल्वम द्रमुक में शामिल

-पूर्व मुख्यमंत्री ने समर्थकों संग सीएम स्टालिन की मौजूदगी में की औपचारिक एंट्री

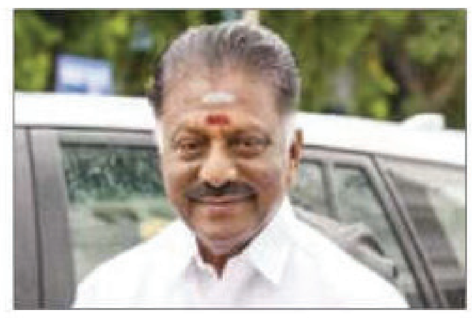

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पनीरसेल्वम को वर्ष 2022 में आल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्रकणगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित कर दिया गया था। वह दिवंगत नेता जे जयललिता के विश्वस्त सहयोगी माने जाते थे और पार्टी में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। अन्नाद्रमुक में दोबारा वापसी के उनके प्रयास पिछले तीन वर्षों में सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने नई राजनीतिक दिशा चुनते हुए द्रमुक में शामिल होने का निर्णय लिया। उनके साथ उनके कई समर्थकों ने भी द्रमुक की सदस्यता ली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पनीरसेल्वम के द्रमुक में आने से राज्य की सियासत में नए समीकरण बन सकते हैं। आगामी चुनावी रणनीतियों और गठबंधनों पर इसका प्रभाव पड़ना तय माना जा रहा है।

राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की कांग्रेस नेतृत्व से बेहतर, राज्यवर्धन सिंह राठौर का तंज

जयपुर (एजेंसी)। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडिमय में मीडिया से बात कर कांग्रेस और राज्य सरकार के फैसलों पर तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की कांग्रेस नेतृत्व से बेहतर है। उनके अनुसार यदि राजस्थान के कांग्रेस नेता राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की कमान संभाल लें, तब शायद कांग्रेस की स्थिति बेहतर हो सकती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व कमजोर हो चुका है और इसका असर पूरे संगठन पर दिखाई देता है।

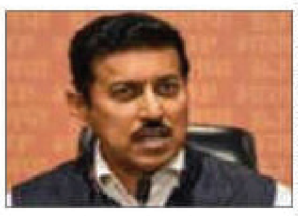

राठौड़ ने पंचायत और निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों पर लगी पाबंदी हटाने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नियम करीब 30 साल पहले परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू हुआ था। उनका कहना था कि उस समय जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जागरूकता फैलाने की जरूरत थी, लेकिन अब समाज में पर्याप्त जागरूकता आ चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश के अन्य राज्यों में ऐसा कोई कानून लागू नहीं है, तब केवल राजस्थान में ही इस कानून को जारी रखने का औचित्य क्या है।

विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार की मंशा जनसंख्या बढ़ाने की नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर ऐसा होता, तब भजनलाल सरकार तीन बच्चों वाले माता-पिता को ही चुनाव लड़ने की अनुमति देती, जिससे जनसंख्या तेजी से बढ़ती। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर गलत बयानबाजी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पास ठोस मुद्दों का अभाव है। इसके अलावा उन्होंने राजस्थान में आईपीएल के मुकाबलों के आयोजन को लेकर भी सकारात्मक रुख जताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने आवश्यक कदम उठाए हैं और अन्य खेल आयोजनों की तरह आईपीएल मैचों के सफल आयोजन की पूरी संभावना है।

फिर से सत्ता में लौटने के लिए ममता ने साध लिए युवा और महिला वोटर... दो योजनाएं बनेगी चुनाव में गेंमचेंजर

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारी जोरों पर जारी है। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच दिख रहा है। 294 सदस्यीय विधानसभा में टीएमसी की मजबूत पकड़ है, जबकि भाजपा 77 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। अन्य वाम दलों और नवगठित पार्टियों का गठबंधन चुनावी समीकरण को प्रभावित कर सकता है, लेकिन असली टक्कर युवाओं और महिलाओं के वोट पर केंद्रित है।

इस लेकर ममता बनर्जी ने इस बार दो प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राजनीतिक मोर्चा मजबूत किया है। पहली, पहले से चल रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना, जो 2.42 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सहायता देना है। इस योजना में मासिक सहायता 1,500 रुपये कर दी गई है, और 2021 में महिलाओं के समर्थन ने टीएमसी को निर्णायक बढ़त दिलाई थी। दूसरी, नई 'युवा साथी' योजना, जिसमें 21-40 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को मासिक 1,500 रुपये दिए जाएंगे।

न्यूनतम योग्यता 10वीं पास है और आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के नौ दिनों में करीब 78 लाख युवाओं ने आवेदन किया। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस आयु वर्ग के मतदाता कुल वोटरों का करीब 45 प्रतिशत हो सकते हैं, जिससे योजना चुनावी समीकरण बदल सकती है।

वहीं राज्य में सियासी मुद्दों में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) भी अहम है। भाजपा एसआईआर को अपनी रणनीति के तहत लाभकारी मानती है, जबकि ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया को राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने मृत 61 लोगों के परिवारों से एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा कर मानवीय संदेश भी दिया। 2021 में टीएमसी को 49 प्रतिशत वोट शेयर और 213 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 38 प्रतिशत से अधिक वोट और 77 सीटें मिली थीं। इस बार भाजपा घुसपैठ और हिंदुत्व जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। वहीं, ममता की योजनाएं सीधे लाभ पर केंद्रित होने के कारण महिला और युवा वोटरों को आकर्षित करने की संभावना रखती हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम बंगाल का आगामी चुनाव आर्थिक कल्याणकारी योजनाओं और वैचारिक मुद्दों के बीच बेहद रोचक और कड़ा मुकाबला साबित होने वाला है। ममता की दोहरी रणनीति-युवाओं और महिलाओं पर फोकस-भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है और चुनावी समीकरण को नया आकार दे सकती है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पुस्तक मामले में कांग्रेस का आरोप... इसके पीछे खुद पीएम मोदी शामिल

पीएम मोदी सिर्फ दिखावे के लिए नाराजगी दिखा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीईआरटी की 8वीं के किताब में एक चैप्टर को लेकर हुए विवाद में कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावार है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचारवाले मुद्दे पर पीएम मोदी बनावटी आक्रोश दिखाई हैं। कांग्रेस सांसद और उसके संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद विवाद से अलग दिखाने की कोशिश हिपोक्रेसी के अलावा कुछ भी नहीं है।

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट लिखा है, इजरायल में वास्तविक नैतिक कायरता दिखाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी, अब एनसीईआरटी की पुस्तकों के मुद्दे पर बनावटी आक्रोश दिखा रहे हैं। साफ तौर पर डैमेज कंट्रोल की कोशिश के तहत यह संदेश दिया गया है कि वे एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में न्यायपालिका के चैप्टर को लेकर बहुत नाखुश हैं।

दरअसल, इस तरह संकेत मिले हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने (सुप्रीम कोर्ट के स्वत~संज्ञान लेने से पहले) ही कैबिनेट बैठक के दौरान एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका को लेकर विवादास्पद चीजें शामिल करने पर

नाराजगी जाहिर कर चुके थे। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने कहा था, आठवीं क्लास के बच्चों को सोशल साइंस के पाठ्य पुस्तक में हम क्या पढ़ा रहे हैं?

लेकिन, कांग्रेस का आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर खुद प्रधानमंत्री मोदी हैं। पार्टी सांसद ने लिखा है, एक दशक से उन्होंने इसतरह के शिक्षाविदों और झोला छाप अकादमिकों के नेटवर्क की अगुवाई की है, जिन्होंने अपने विचारधारात्मक वायरस से पाठ्य पुस्तकों को संक्रमित कर गंभीर नुकसान किया है। यह कोई आकस्मिक चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित वैचारिक घुसपैठ अभियान का हिस्सा है...प्रधानमंत्री मोदी स्वयं नागपुर कम्युनल इकोसिस्टम फॉर रिराइटिंग ऑफ टेक्स्टबुक्स, जो असली एनसीईआरटी है, को दिशा और आकार देते रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम का कहना है, सुप्रीम कोर्ट को नाराज करने वाली पाठ्य पुस्तकों से खुद को अलग दिखाने की उनकी कोशिश सिर्फ एक हिपोक्रेसी है। अब सुप्रीम कोर्ट को अगला तार्किक कदम ये उठाना चाहिए कि वह इस बात की विस्तृत जांच करवाए कि पाठ्य पुस्तकों को किस तरह से फिर से लिखा गया और वे किस तरह ध्रुवीकरण तथा राजनीतिक हिसाब-किताब चुकाने के औजार में बदल दी गईं।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने खुद विषय पर स्वत~ संज्ञान लेकर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले चैप्टर की एनसीईआरटी की आठवीं किताब को बैन किया है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगवाई वाली बेंच ने इस विवादित किताब के किसी भी फॉर्म में सर्कुलेशन पर रोक लगा दी है और स्कूल शिक्षा सचिव और एनसीईआरटी चेयरपर्सन को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके खिलाफ न्यायपालिका की अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

केरल के प्रसिद्ध अट्टुकल भगवती मंदिर में है पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनेक परंपराओं और विशिष्टता के कारण मंदिर भारतीय संस्कृति की विविधता और आध्यात्मिक गहराई को और अधिक रोचक बनाते हैं। इन परंपराओं का आधार न तो सामाजिक विवाद है और न ही किसी प्रकार का भेदभाव, बल्कि ये सभी रीति-रिवाज देवी-उपासना, प्रतीकात्मकता और आध्यात्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं।

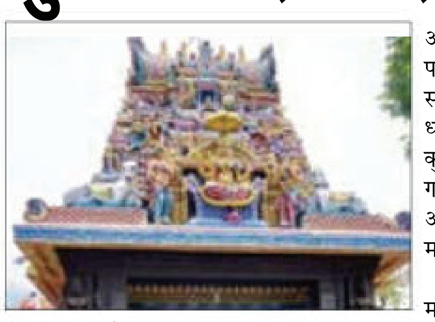

केरल का प्रसिद्ध अट्टुकल भगवती मंदिर, जिसे अक्सर महिलाओं का सबरीमाला भी कहा जाता है, इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है। यहां हर साल आयोजित होने वाले अट्टुकल पोंगल उत्सव में लाखों महिलाएं देवी की आराधना करने के लिए एकत्र होती हैं। इस दौरान पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित रहता है, क्योंकि यह अनुष्ठान देवी के उग्र, रक्षात्मक और स्त्री शक्ति के सामूहिक रूप का प्रतीक माना जाता है। इसी तरह केरल का चक्कुलाथुकावु मंदिर अपनी अनोखी नारी पूजा के लिए जाना जाता है, जहां महिलाओं को देवी का स्वरूप मानकर पूजा की जाती है और मंच पर स्त्री ऊर्जा ही प्रमुख रहती है।

राजस्थान के पुष्कर में स्थित ब्रह्मा मंदिर में भी कुछ विशेष पूजा स्थलों पर विवाहित पुरुषों का प्रवेश वर्जित है। यह परंपरा पौराणिक घटनाओं से जुड़ी है और सदियों से चली आ रही आस्था के कारण आज भी निभाई जाती है। वहीं असम का मां कामाख्या मंदिर स्त्री-शक्ति और प्रजनन क्षमता के प्रतीक के रूप में पूरे विश्व में अद्वितीय माना जाता है। अंबुबाची मेले के दौरान मंदिर तीन दिनों के लिए बंद रहता है, जिसे देवी के मासिक धर्म का संकेत माना जाता है और इस दौरान पुरुषों के प्रवेश पर भी रोक रहती है। वृंदावन का संतोषी माता मंदिर भी ऐसी ही धार्मिक मान्यता का केंद्र है, जहां कुछ अवसरों पर पुरुषों को गर्भगृह में प्रवेश नहीं दिया जाता और पूजा का पूरा महत्व महिलाओं को ही दिया जाता है।

तमिलनाडु के कुछ भगवती मंदिरों में भी विशेष अनुष्ठानों के समय पुरुषों के प्रवेश पर पारंपरिक रोक रहती है, क्योंकि यहां देवी को कुंवारी रूप में पूजा जाता है, जिसका संबंध पवित्रता और स्वतंत्र स्त्री शक्ति से है। इन मंदिरों की परंपराएं भारत की धार्मिक विविधता को दर्शाती हैं, जहां आस्था और आध्यात्मिकता का हर रंग अपनी अनूठी मान्यता के साथ मौजूद है। मालूम हो कि भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरों में जहां एक ओर कुछ मंदिरों में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की चर्चा होती है, वहीं दूसरी ओर देश में कई ऐसे मंदिर भी हैं जहां पुरुषों को विशेष अवसरों पर या मंदिर के कुछ हिस्सों में प्रवेश की अनुमति नहीं होती।

2007 के सफल फॉर्मूले के साथ 2027 में उतरेगी बसपा... मायावती का ब्राह्मण-दलित गठजोड़ पड़ेगा किस पर भारी

लखनऊ (एजेंसी)। साल 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने अभी से तैयारी शुरु कर दी है। इतना ही नहीं बसपा ने प्रत्याशियों की घोषणा का काम भी शुरू कर दिया है। साल 2007 के चुनाव में मायावती ने जिस सोशल इंजीनियरिंग के दम पर यूपी की सत्ता में वापसी की थी, अब उसी फॉर्मूले को 2027 में फिर से करने की कोशिश कर रही है। 2007 में वह परंपरागत दलित वोटों के साथ-साथ ब्राह्मण वोटरों को लेकर मैदान में उतरीं और इस सोशल इंजीनियरिंग ने विपक्षी दलों को चुनावी रण में धूल चटा दी थी। अब मायावती उसी फॉर्मूले को फिर आजमाना चाहती है। मायावती पिछले 3 महीने में हुई सभी बैठकों में यह बात कहती रही हैं कि ब्राह्मण-दलित गठजोड़ के साथ वे 2027 के विधानसभा चुनाव में उतरेंगी और फिर से सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ वापसी करेंगी।

मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी ने यूपी चुनाव के लिए पहला टिकट आशीष पांडेय को दिया है। उन्हें जालौन जिले की माधौगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया गया। माधौगढ़ बीएसपी का गढ़ माना जाता है। पार्टी जल्द ही चुनाव के लिए कई अन्य प्रभारियों के नाम का भी ऐलान करेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बीएसपी होली के बाद कानपुर मंडल की 5 और सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर सकती है। चुनाव तारीख के ऐलान से पहले घोषित प्रभारियों को ही पार्टी अपना प्रत्याशी बनाती है। कहा यह भी जा रहा है कि 2027 में बसपा 80 ब्राह्मण उम्मीदवारों को मैदान में उतार सकती है। इसका ऐलान जून तक हो सकता है।

मायावती लगातार ब्राह्मण मुद्दों पर मुखर होकर बोलती रही हैं। बीते दिनों उन्होंने कहा था कि ÷यहां सोचने की असल बात यह है कि उच्च जातियों खासकर ब्राह्मण बिरादरी को जितना आदर-सम्मान, पद और सुरक्षा सभी कुछ बीएसपी प्रमुख की ओर से पार्टी और सरकार के स्तर पर दिया गया, क्या उतना कोई दूसरी पार्टी अथवा सरकार उन्हें दे पायी है?÷ साफतौर से मायावती का यह बयान ब्राह्मण समाज को जोड़ने वाला है।

बीतें दिनों चर्चा में आई फिल्म 'घूसखोर पंडत' में ब्राह्मण समाज के कथित अपमान को लेकर मायावती ने नाराजगी जताकर आलोचना की थी। साथ ही यह मांग भी की कि इस जातिसूचक फिल्म पर केंद्र सरकार की ओर से तुरंत बैन लगा देना चाहिए। मायावती ने अपने जन्मदिन पर कहा था कि ब्राह्मणों का सम्मान नहीं हो रहा है। हालांकि समाजवादी पार्टी पूरे मामले पर चुप है और 2027 का इंतजार करने की बात कह रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com